राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 28 जनवरी 2024 वर्ष-7, अंक-5 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज का सुविचार

जिंदगी एक आईने की तरह है,
यह तभी मुस्कुराएगी
जब आप मुस्कुराओगे।

मुंबई में 21 साल की लड़की का रेप

मुंबई । रहने वाली 21 साल की लड़की ने इंस्ट्राग्राम फ्रेंड पर रेप करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ बलात्कार की वारदात को अंजाम दिया। लड़की ने साउथ मुंबई की वर्ली पुलिस स्टेशन पर एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, पीड़िता का कहना है कि 12 दिन बीत चुके हैं, लेकिन उसे गिरफ्तार नहीं किया गया। पीड़िता ने इंस्टाग्राम में स्टोरी पोस्ट करके कहा कि मेरी हेतिक शाह से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। मैं उसके साथ नाइट-ऑउट करने गई। इस दौरान हेतिक के दोस्त भी थे। हम एक जगह रूककर शराब पार्टी करने लगे। कुछ ही देर बाद मुझे नशा चढ़ने लगा। इसके बाद भी हेतिक और उसके दोस्तों ने मुझे और शराब पीने के लिए मजबूर किया, जिसकी वजह से मैं ब्लैकआउट हो गई। इसके बाद मुझे याद नहीं कि, आगे क्या हुआ? कुछ देर बाद मुझे होश आया तो आरोपी मेरे साथ जबरदस्ती कर रहा था। मैंने उसे रोकने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसने मेरे ऊपर थप्पड़ बरसाए। यह पूरी वारदात हेतिक के दोस्त के घर पर हुई। घटना के बाद मैंने अपने चचेरे भाई को बुलाया और इसके बाद घर गई। हालांकि, आरोपी ने अगले दिन अपने कारनामे को लेकर माफी मांगी, लेकिन उसकी माफी का मेरे लिए कोई मतलब नहीं है।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म

जरांगे ने सीएम शिंदे के हाथ से जूस पीकर अनशन तोड़ा, बोले- इस बार धोखा हुआ तो मुंबई आऊंगा

मुम्बई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म हो गया है। शिंदे सरकार ने आंदोलनकारियों की सभी मांगें मान ली हैं। शनिवार (27 जनवरी) को सीएम एकनाथ शिंदे ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से नवी मुंबई में मुलाकात की। उन्होंने जरांगे को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया और अध्यादेश की कॉपी सौंपी। आंदोलन खत्म करने के बाद जरांगे ने कहा- हम 4 महीने से मराठा आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे थे। मराठा आरक्षण के लिए करीब 350 युवाओं ने आत्महत्या की। आज उनका सपना साकार हुआ। अब सरकार पर आरक्षण लागू करने की जिम्मेदारी है। अगर इस बार धोखा हुआ तो मैं मुंबई के आजाद मैदान आ जाऊंगा। इससे पहले शुक्रवार को जरांगे ने शिंदे सरकार को आज सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था- अगर 11 बजे तक आरक्षण का अध्यादेश जारी नहीं किया गया, तो वे 12 बजे मुंबई के आजाद मैदान पहुंचकर आंदोलन करेंगे। इसके बाद शिंदे सरकार ने देर रात अध्यादेश का ड्राफ्ट जरांगे के पास भेजा। इसमें जरांगे की मांगों का जिक्र था। मनोज जरांगे ने शुक्रवार (26 जनवरी) देर रात आंदोलन खत्म करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा- 'सीएम एकनाथ शिंदे ने अच्छा काम किया है। हमारी अपील मान ली गई है। हमारा विरोध अब खत्म हुआ।' मनोज ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 20 जनवरी को जालना से मुंबई तक के लिए पदयात्रा शुरू की थी। 26 जनवरी को जरांगे और लाखों की संख्या में उनके समर्थक नवी मुंबई के वाशी पहुंचे।

यूपी के आठ जिलों में स्थापित होंगे कम्प्रेस्ड गैस संयंत्र: सीएम योगी

बंदायू। यूपी के मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि प्रदेश के 8 जिलों में कम्प्रेस्ट गैस सयंत्र स्थापित होंगे। इसके लिए जल्द ही कार्ययोजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्मोक फ्री वातावरण बनाने के लिए काम किया जा रहा है। किसानों की पराली जलाने की भी व्यवस्था की जाएगी। इस मौके पर केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री आज बदायूं में एक प्लांट का उद्घाटन व 8 प्लांट का शिलान्यास करेंगे हरदीप पुरी ने कहा कि प्रभु राम के जन्मभूमि पर लौटने की खुशियां मनाई जा रही हैं। इससे दुनिया भर में भारत का मान बढ़ रहा है। पहले यूपी की इमेज एक बीमारू राज्य की थी। योगी के आने के बाद वह इमेज बदली है। इस मौके पर हरदीप पुरी ने कहा कि दुनिया भर के निवेशक इन दिनों भारत आ रहे हैं। प्रदेश की इमेज अब इनवेस्ट करने वाली राज्य की बन रही है। उन्होंने कहा कि बदायूं में आज एक बड़े प्लांट का शुभारंभ हो रहा है। इस प्लांट से एक दिन में 14 टन कम्प्रेस्ड गैस पैदा होगी। बदायूं के अलावा 8 और प्लांटों का शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की पराली अब खराब नहीं जाएगी। बॉयो फ्यूल और गन्ने का इस्तेमाल यहां किया जाएगा।

बांकेबिहारी दर्शन की नई व्यवस्था

पहले कराना होगा ऑनलाइन पंजीकरण, एक घंटे में इतने श्रद्धालुओं को मिलेगा लाभ

मथुरा । वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने और भीड़ नियंत्रण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था को अमल में लाने के साथ मंदिर की आंतरिक व्यवस्था में बदलाव की कवायद में जुटा है। इन बिंदुओं को लेकर बृहस्पतिवार को पर्यटक सुविधा केंद्र (टीएफसी) में डीएम एवं एसएसपी ने सेवायतों के साथ बैठक की। सेवायतों ने इन बिंदुओं पर सहमति जताई है, लेकिन बिना न्यायालय की अनुमति इसे लागू नहीं किया जा सकता। ऐसे में प्रशासन अब न्यायालय में अपना पक्ष रखेगा। डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि बांकेबिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने के लिए कई व्यवस्थाएं की हैं। इनमें वन-वे रूट के साथ बैरिकेडिंग में श्रद्धालुओं को कतारबद्ध दर्शन कराने की योजना भी शामिल है, लेकिन भीड़ को नियंत्रण करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था लागू करना जरूरी है। इसकी योजना बना ली गई है। इसके अलावा जिला प्रशासन ने सेवायतों को बांकेबिहारी के दर्शन के समय में बढ़ोतरी और ठाकुरजी को मंदिर के जगमोहन में विराजित करने की योजना पर सुझाव लिए। सेवायतों ने प्रशासन की तीनों योजनाओं पर सहमति जताते हुए मंदिर प्रशासक सिविल जज जूनियर डिवीजन से इसकी अनुमति लेने की बात कही। सेवायत दिनेश गोस्वामी, रजत गोस्वामी ने कहा कि मंदिर प्रबंध कमेटी गठित नहीं है और वर्तमान में हर व्यवस्था मथुरा मुंसिफ कोर्ट के निर्देशन में चल रही है। ऐसे में न्यायालय की अनुमति के बिना कोई भी नई व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती है। इस पर डीएम और एसएसपी ने दोनों पक्षों से एकराय होकर सिविल जज जूनियर डिवीजन से सहमति लेने की बात कही। डीएम ने बताया कि एप में निशुल्क ऑनलाइन बुकिंग कराने के लिए समय अनुसार स्लॉट होंगे। पांच हजार श्रद्धालुओं का प्रति घंटे का स्लॉट बनाने की योजना बनाई जा रही है।

सड़क पर धरने पर बैठे राज्यपाल आरिफ मोहम्मद

केरल । राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान आज कोल्लम के दौरे पर हैं। कोल्लम में एसएफआई कार्यकताओं ने राज्यपाल को फिर से काले झंडे दिखाए। इससे राज्यपाल इस कदर नाराज हो गए कि मौके पर ही धरने पर बैठ गए। राज्यपाल ने धरने से उठने से इनकार कर दिया और आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा एसएफआई कार्यकताओं को संरक्षण दिया जा रहा है। शनिवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का काफिला जब कोल्लम के निलामेल से गुजर रहा था, तभी सीपीआईएम की छात्र शाखा एसएफआई के कार्यकताओं ने उन्हें विरोध स्वरूप काले झंडे दिखाए। इससे राज्यपाल इस कदर नाराज हो गए कि तुरंत गाड़ी से निकले और सड़क किनारे ही धरने पर बैठ गए। राज्यपाल ने सड़क किनारे स्थित एक दुकानदार से कुर्सी मांगी और वहीं पर धरने पर बैठ गए। राज्यपाल का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह पुलिस अधिकारियों के प्रति नाराजगी जाहिर करते नजर आ रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मैक्रों को खिलाया सरसों का साग

मेन्यू में केसर बादाम शोरबा, अंजीर कोफ्ता और पुदीना रायता भी शामिल

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के सम्मान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 26 जनवरी को स्टेट डिनर होस्ट किया था। अब इस डिनर का मेन्यू सामने आया है। इसमें सरसों का साग, मक्के की रोटी, केसर बादाम शोरबा, छेना पतुरी, बागान-ए-सब्ज, सब्ज पुलाव, अंजीर कोफ्ता और दाल डेरा जैसी चीजें शामिल थीं। इसके अलावा डेजर्ट में गाजर नजाकत और भारतीय अंदाज वाली फ्रेंच डिश फिरनी मिल फ्यूइले भी रखी गई थी। मैक्रों 2 दिन के राजकीय दौरे पर भारत आए थे। वे गणतंत्र दिवस परेड में बतौर चीफ गेस्ट शामिल हुए। स्टेट डिनर के दौरान मुर्मू-मैक्रों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद रहे। डिनर में कुछ ऐसी चीजें शामिल थीं, जिनको पकाने का तरीका एकदम अलग होता है। इनमें से एक था- दाल का डेरा। यह काली दाल को चारकोल पर रात भर रखकर पकाने के बाद बनता है। एक और डिश में छेना पतुरी थी, जिसमें कॉटेज चीज को केले के पत्तों में पकाया जाता है, इसमें सरसों का फ्लेवर होता है। डिनर की शुरूआत से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- ये कई मायनों में एक ऐतिहासिक और यादगार क्षण है। शायद ही ऐसा कभी हुआ होगा कि दो देशों के नेता लगातार एक-दूसरे के देशों के राष्ट्र समारोह में मुख्य अतिथि रहे। आज ही के दिन भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के दो साल बाद विश्व का सबसे बड़ा हस्तलिखित संविधान लागू किया था। स्टेट डिनर के दौरान अपने संबोधन में मैक्रों ने कहा- मैं जयपुर में PM मोदी के साथ पी गई चाय को कभी नहीं भूल सकता, क्योंकि उसका पेमेंट UPI से किया गया था।

19वें एशियाई खेल के खिलाड़ियों का लखनऊ में हुआ सम्मान

लखनऊ । शनिवार को एशियन गेम्स, एशियाई पैरा गेम्स और नेशनल गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान189 खिलाड़ियों को सम्मानित करने के साथ ही करीब 62 करोड़ रुपए की धनराशि दी गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, सरकार खिलाड़ियों के साथ हैं। उन्हें नौकरी मिल रही है। खिलाड़ी हमारे राष्ट्र का गौरव हैं। पीएम ने खिलाड़ियों का मान सम्मान बढ़ाया है। खिलाड़ियों के ट्रेनिंग पर ध्यान दिया जा रहा है। खिलाड़ी डिप्टी एसपी के पद पर तैनात हो रहे हैं। ब्लॉक स्तर पर खेल सेंटर की स्थापना हो रही है। नेशनल गेम्स में यूपी के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, पीएम मोदी ने पिछले 10 सालों में खेल का बजट तीन गुना बढ़ा दिया है। यूपी के सीएम ने खेल क्षेत्र में नए आयाम रचे हैं। आपने भी कभी इस चीज की कल्पना नहीं की होगी मंच पर बुलाकर 6 करोड़ रुपए गोल्ड मेडल जीतने वाले को दिया जाएगा। आज चाहे हमारे सामने आईएएस अधिकारी सुभाष एल वाई हों या हमारी पारूल चौधरी। पूरे समाज और देश को आप पर गर्व है। यह तो एक पड़ाव है मंजिल अभी दूर है। पड़ाव पर आपके प्रोत्साहन देने का काम किया गया है ताकि आप अपनी यात्रा को आगे बढ़ा सके। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, योगी जी देश के सबसे बड़े राज्य के हर क्षेत्र में कानून व्यवस्था स्थापित की है। चाहे काशी विश्वनाथ की बात हो या 500 सालो का इंतजार खत्म करके राम मंदिर बनने का काम हो। सीएम योगी ने यूपी को दंगो से मुक्ति दिलाई है। अब दंगे नही दंगल होता है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेलों का हिस्सा बनने का आप सभी को मौका मिला। सरकार आपके साथ ही है। देश के पीएम और प्रदेश के सीएम की अगुआई में आज यूपी खेल के क्षेत्र में इतिहास रच रहा है। देश के अंदर प्रतिभाओं की कमी नहीं रही है। पहले प्रतिभाएं थम जाती थी लेकिन आज खेल के क्षेत्र में किसी को आगे बढ़ना है तो कोई दिक्कत नहीं है। प्रधानमंत्री ने सांसद खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूआत की। सबसे ज्यादा 4.50 करोड़ रुपए की धनराशि मेरठ की एथलीट पारुल चौधरी को मिला। वही एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीतने वाले वाराणसी के हॉकी खिलाड़ी ललित कुमार उपाध्याय, मेरठ की जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी, क्रिकेट अलीगढ़ के रिंकू सिंह और आगरा की दीप्ति शर्मा, कबड्डी खिलाड़ी अर्जुन देशवाल, बागपत के निशानेबाज अखिल कुमार को तीन-तीन करोड़ रुपए के पुरस्कार मिले। वहीं पैरा एशियाई खेल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी एवं आईएएस अफसर सुहास एल वाई एवं जैवलिन थ्रोअर प्रवीन कुमार को भी तीन-तीन करोड़ मिले। राज्य सरकार की ओर से एशियाई खेल में स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़, रजत पदक विजेता को डेढ़ करोड़ और कांस्य पदक विजेता को 75 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया। एशियाई खेलों में यूपी से गए प्रशिक्षकों को पहली बार नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यही नहीं एशियाई खेल आर पैरा एशियाई खेल में प्रतिभाग करने वाले हर खिलाड़ी को पांच-पांच लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19वें एशियाई खेल-2022, चतुर्थ पैरा एशियाई खेल-2022 और 37वें राष्ट्रीय खेल-2023 में पदक पाने वाले एवं प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र भी बांटे गए।

अखिलेश बोले: नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन में रहते तो पीएम बन सकते थे

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बार फिर से एनडीए के पाले में जाने की सुगबुगाहट शुरू हो गयी है। इस बीच यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नीतीश कुमार को बीजेपी का साथ नहीं पकड़ना चाहिए। वहां उन्हें क्या मिलेगा? अखिलेश यादव ने कहा कि यदि नीतीश इंडिया गठबंधन में होते तो वह पीएम भी बन सकते थे। हम सभी में से कोई एक पीएम का उम्मीदवार तो है ही। यहां किसी का भी नंबर लग सकता है। आखिर वहां उन्हें क्या मिलेगा? एक टीवी चैनल से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि यह कांग्रेस की जिम्मेदारी थी कि वह नीतीश को इंडिया गठबंधन में बनाए रखे। उनकी नाराजगी समझनी चाहिए थी। कांग्रेस को जिस तत्परता के साथ हालात संभालने चाहिए थे उसने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल उनका सम्मान करते हैं। कोई पार्टी ऐसी नहीं है कि जो उनका सम्मान ना करती हो। इंडिया गठबंधन के अमल में आने में नीतीश कुमार की भूमिका बड़ी मानी जाती रही है। जब एक समय कांग्रेस के साथ ममता, अखिलेश सहित बाकी क्षेत्रीय पार्टियों ने बात करनी बात की थी उस समय नीतीश कुमार ही

अगर केंद्र ने सात दिन में बंगाल का बकाया नहीं दिया तो विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार को केंद्र को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए सात दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि ऐसा न होने की स्थिति में पार्टी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। बनर्जी ने यह टिप्पणी 75वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राजभवन में एक कार्यक्रम के दौरान की। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यह्यअगर केंद्र सरकार ने निधि जारी नहीं की तो हम (टीएमसी) बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। पश्चिम बंगाल सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र पर राज्य का पीएमएवाई के तहत 9,330 करोड़ रुपये, मनरेगा के तहत 6,900 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 830 करोड़ रुपये, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 770 करोड़ रुपये, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 350 करोड़ रुपये बकाया है। मध्याह्न भोजन के तहत 175 करोड़ रुपये के साथ ही अन्य योजनाओं का भी बकाया है। बनर्जी ने 20 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी और लंबित केंद्रीय निधि के मुद्दे पर चर्चा की थी। बैठक के बाद बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि राज्य और केंद्र के अधिकारी एक साथ बैठ कर मुद्दों को सुलझा सकते हैं।

भारत में होगी राफेल के इंजन की मरम्मत-रखरखाव

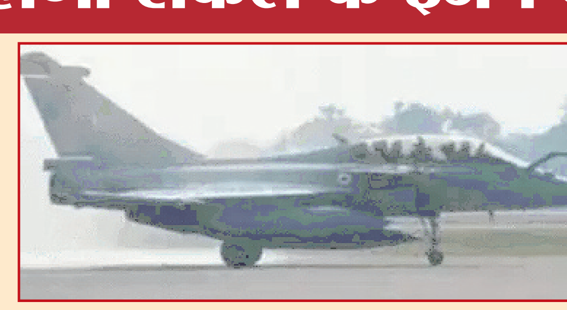

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों 25-26 जनवरी को 2 दिन के राजकीय दौरे पर भारत आए थे। वे सीधा जयपुर एयरपोर्ट पर उतरे, जहां विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उन्हें रिसीव किया। मैक्रों ने ढट मोदी के साथ जयपुर में रोड शो किया। दोनों नेताओं के बीच वैश्विक और द्विपक्षीय मुद्दों पर बैठक भी हुई। इस दौरान भारत-फ्रांस के बीच कई समझौते हुए। PM मोदी और मैक्रों ने दोनों देशों में डिफेंस इंडस्ट्रियल सेक्टर में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति जताई। साथ ही इसके लिए रोडमैप भी तैयार किया गया। दोनों नेताओं ने स्कॉर्पीन-क्लास सबमरीन और उसके पुर्जों को भारत में ही बनाने के लिए हुए समझौते का स्वागत किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस का भी मुआयना किया। साथ ही भारत में राफेल फाइटर जेट के इंजनों के लिए सेफरान कंपनी की तरफ से रखरखाव, मरम्मत और इसके ऑपरेशन की फेसिलिटी तैयार करने के लिए हुए समझौते का भी स्वागत किया गया। इसके अलावा सेफरान कंपनी क्ट्फ्ल हेलिकॉप्टर इंजन बनाने के लिए भारत की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के बीच जॉइंट वेंचर करेगी। टाटा ग्रुप और फ्रांस की एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी एयरबस के बीच भी अहम समझौता हुआ। इसके तहत दोनों कंपनी साथ मिलकर भारत में H125 सिंगल इंजन हेलिकॉप्टर बनाएंगी। ये हेलीकाप्टर कॉमर्शियल यूज के लिए बनाए जाएंगे। टाटा ग्रुप की टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड कंपनी (TASL) इन हेलीकॉप्टरों के लिए असेम्बली लाइन मैनेज करेगी। ये हेलीकाप्टर गुजरात के वडोदरा में मैन्युफैक्चर किए जाएंगे। यहां पहले से ही टाटा और एयरबस मिलकर 40 C295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहीं हैं। इन सिंगल इंजन H130 हेलिकॉप्टरों का उपयोग मेडिकल एयरलिफ्ट, सर्विलांस मिशन, VIP ड्यूटीस और साइटसीइंग सर्विसेज के लिए किया जाएगा। इससे पहले पिछले साल पीएम मोदी के फ्रांस दौरे पर मेक इन इंडिया के तहत मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड यानी MDL में 3 और स्कॉर्पीन (कलवारी) क्लास अटैक की पनडुब्बियों को बनाने के लिए समझौता हुआ था। भारत ने 2005 में फ्रांस के नेवल ग्रुप से स्कॉर्पीन-क्लास सबमरीन बनाने के लिए 3.75 अरब डॉलर यानी करीब 28.6 हजार करोड़ का समझौता किया था। इन सबमरीन को पब्लिक सेक्टर की कंपनी मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड ने फ्रांस के सहयोग से देश में ही बनाया है।

संपादकीय

नारी शक्ति का प्रदर्शन

हर बार की तरह इस बार भी नई दिल्ली में हुई गणतंत्र दिवस की परेड में भारत ने अपनी जंगी ताकत का प्रदर्शन किया। मिसाइलें, लड़ाकू विमान, अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र, सेना का ऐसा हर हथियार, जो हमें देश की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करता है, इस परेड में शामिल था। मगर सेना के पास सिर्फ इतना ही नहीं है, भारतीय सेना के पास एक और ऐसी ताकत आ चुकी है, जो आश्वस्त भी करती है और गौरवान्वित भी। यह है नारी शक्ति। शुक्रवार की परेड में तीनों सेनाओं और अन्य सुरक्षा बलों की सभी टुकड़ियों का नेतृत्व महिलाओं ने किया। यहां तक कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की झांकी का नेतृत्व भी वैज्ञानिक सुनीता जैन ने किया। परेड और झांकियों में यह दिखाने की कोशिश की गई कि महिलाएं सुरक्षा बलों में कितने अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा रही हैं। परेड में जिस टुकड़ी ने सबका ध्यान खींचा, वह थी सेना के एक इंजीनियरिंग कोर बांबे सैपर्स की टुकड़ी। भारतीय सेना की इस सबसे प्रतिष्ठित कोर की टुकड़ी में सभी पुरुष थे, लेकिन उनका नेतृत्व एक महिला दिव्या त्यागी कर रही थीं। राज्यों की झांकियों और परंपरागत नृत्य मंडलियों में महिलाएं ही आगे थीं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सुरक्षा बलों में महिलाओं की भूमिका को लेकर ही हुई। यह सिर्फ भारतीय रक्षा बलों में महिलाओं की सक्रियता का मामला नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि समाज अपने बंधन तोड़कर कितना आगे बढ़ चुका है। ब्रिटिश सरकार ने जब भारत में सेना बनाई थी, तब उसमें महिलाओं को एक ही भूमिका दी जाती थी- नर्स की भूमिका। महिलाएं घायल सैनिकों के इलाज से आगे जाकर भी कुछ कर सकती हैं, ऐसा सोचा ही नहीं गया था। लेकिन ठीक उसी समय जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारत के बाहर निर्वासित आजाद हिंद फौज का गठन किया, तब उन्होंने रानी झांसी ब्रिगेड बनाई थी, जिसमें सिर्फ महिलाएं ही थीं। आजादी के बाद भारत ने इस परंपरा को धीरे-धीरे ही सही लगातार आगे बढ़ाया। लंबे समय तक सोच यही रही कि युद्ध के मोर्चे पर जाकर लड़ाई लड़ने का काम, यानी कॉम्बैट रोल महिलाओं को नहीं सौंपा जाना चाहिए, पर धीरे-धीरे इस आग्रह को भी खत्म कर दिया गया। अब अगर हम 2018 के आंकड़ों को देखें, तो उस समय भारतीय वायुसेना में 13 फीसदी से भी ज्यादा महिलाएं ऑफिसर के पद पर थीं। बाकी दोनों सेनाओं में यह प्रतिशत इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन तेजी से सुधर रहा है। सोच और आग्रह के स्तर पर जो सबसे बड़ी बाधा थी, अब वह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। परेड में शामिल ये टुकड़ियां राष्ट्रपति को सलामी देती हैं। यानी सिर्फ सलामी देने वाली ही महिलाएं नहीं थीं, बल्कि वे एक महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सलामी दे रही थीं। यह बताता है कि सिर्फ सैनिकों, अफसरों और पेशेवरों के मामले में ही महिलाएं आगे नहीं हैं, सत्ता तंत्र चलाने में भी वे बहुत आगे पहुंच चुकी हैं। पिछले दिनों जिस तरह से भारत ने महिला आरक्षण विधेयक संसद के दोनों सत्रों में पास किया, उससे यह लगभग तय है कि आने वाले समय में राजनीति में महिलाएं ज्यादा बड़ी भूमिका निभाने जा रही हैं। इसी तरह की कोशिश हमें अन्य क्षेत्रों में भी करनी होगी। यह सच है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आई हैं, पर अभी जो स्थिति है, उससे बहुत संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

पूरी दुनिया ने देखी भारत की बढ़ती सैन्य ताकत

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

26 जनवरी को भारत ने 'विकसित भारत' और 'भारत-लोकतंत्र की मातृका' थीम के साथ 75वां गणतंत्र दिवस मनाया और इस अवसर पर पहली बार 100 महिला कलाकारों द्वारा भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों के साथ परेड का शुभारंभ किया गया, जिसकी शुरुआत महिला कलाकारों द्वारा बजाए जाने वाले शंख, नादस्वरम, नगाड़ा इत्यादि के संगीत के साथ हुई। राष्ट्रीय गौरव के इस अवसर पर कर्त्तव्य पथ पर हुई गणतंत्र दिवस परेड में पूरी दुनिया ने भारत की लगातार बढ़ती स्वदेशी सैन्य ताकत को भी देखा। परेड के दौरान देश की संस्कृति और परम्पराओं को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न राज्यों, मंत्रालयों और संगठनों की आकर्षक झांकियां निकाली गई, साथ ही तीनों सेनाओं के जवानों ने भी पूरे विश्व को भारत की ताकत दिखाने के लिए अनोखे करतब प्रदर्शित किए। कर्त्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में सेना की मार्चिंग टुकड़ियों से लेकर टैंक, तोप और बैंड ने भी हिस्सा लिया तथा वायुसेना का फ्लाईपास्ट भी हुआ। कई विमानों के फ्लाईपास्ट के दौरान भारत के लड़ाकू विमानों का शौर्य भी देखने को मिला। फ्लाईपास्ट में भारतीय वायुसेना के विमानों के साथ-साथ फ्रांसीसी वायुसेना के एक मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट (एमआरटीटी) विमान तथा दो राफेल विमानों ने भी भारतीय विमानों के साथ अपने करतब दिखाए। हथियार प्रणालियों में टैंक, बीएमपी-2 पैदल सेना, लड़ाकू वाहन, ड्रोन जैमर, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल लांचर और मल्टी-फंक्शन रडार भी शामिल हुए। फ्लाईपास्ट में 29 लड़ाकू जेट सहित कुल 56 सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें से कुछ को महिला पायलटों ने ऑपरेट किया। 6 लड़ाकू पायलटों सहित 15 महिला पायलटों ने फ्लाईपास्ट में हिस्सा लिया। परेड में फ्रांसीसी सेना के 95 सदस्यीय मार्चिंग दस्ते और 33 सदस्यीय बैंड ने भी भाग लिया।

गणतंत्र दिवस परेड में आमतौर पर विदेशी हथियार ही शामिल होते थे लेकिन इस बार दुनिया ने बड़ी संख्या में भारत निर्मित टैंक, मिसाइलों, अटैक हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी हथियारों का जलवा देखा। आसमान में एलसीएच (लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर) प्रचंड हेलीकॉप्टर, जमीन पर टी-90 भीष्म टैंक, मिसाइल लांचिंग के लिए पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर, नाग एंटी-टैंक मिसाइल जैसे तमाम हथियार परेड का हिस्सा बने। एलसीएच प्रचंड शक्तिशाली जमीनी हमले और हवाई युद्ध क्षमता से लैस एचएएल द्वारा डिजाइन और निर्मित पहला स्वदेशी मल्टी-रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है, जिसमें आधुनिक स्टील्थ विशेषताएं, मजबूत कवच सुरक्षा और रात में जबरदस्त हमला करने की क्षमता है। एलसीएच प्रचंड पर उन्नत नेविगेशन प्रणाली, नजदीकी लड़ाई के लिए तैयार बंदूकें और हवा से हवा में मार करने वाली शक्तिशाली मिसाइलें इसे आधुनिक युद्धक्षेत्र के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं। लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल वहां किया जाता है, जहां पर फाइटर जेट की जरूरत नहीं होती। भारत में बना एलसीएच अपनी श्रेणी का दुनिया का एकमात्र सर्वश्रेष्ठ हेलीकॉप्टर है, जो अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों से लैंडिंग और टेकऑफ कर सकता है। दुनिया में अभी तक इस तरह का कोई हेलीकॉप्टर नहीं है, जो इतनी ऊंचाई पर उड़ सके। एलसीएच के साथ भारतीय सेना ने एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर के हथियारयुक्त संस्करण का भी प्रदर्शन किया, जिसे रुद्र के नाम से भी जाना जाता है।

परेड में प्रदर्शित की गई हथियार प्रणालियों में डीआरडीओ द्वारा विकसित पिनाका और स्वाति रडार भी शामिल थी, जिन्हें भारतीय संस्थाओं द्वारा विदेशी ग्राहकों को भी निर्यात किया गया है। पिनाका रॉकेट सिस्टम का उन्नत रेंज संस्करण 45 किलोमीटर तक की दूरी पर लक्ष्य को नष्ट कर सकता है। इस रॉकेट प्रणाली को पुणे स्थित आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान तथा उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। पिनाका रॉकेट की गति इसे सबसे ज्यादा खतरनाक बनाती है, जो 5757.7 किलामीटर प्रतिघंटा है। इसका नाम भगवान शिव के धनुष 'पिनाक' के नाम पर रखा गया है। पिनाका रॉकेट सिस्टम 44 सैकेंड में 12 रॉकेट दागता है। इसके अभी दो प्रमुख वैरिएंट मौजूद हैं और तीसरा निर्माणधीन है। पहले वैरिएंट की रेंज 45 किलोमीटर और दूसरे की 90 किलोमीटर है जबकि तीसरे निर्माणाधीन वैरिएंट की रेंज 120 किलोमीटर होगी। 'स्वाति' वेपन लोकेटिंग रडार स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया एक डब्ल्यूएलआर है, जो अपने सैनिकों पर फायरिंग करने वाली बंदूकों, मोर्टारों और रॉकेटों का पता लगाने में सक्षम है। यह सैनिकों को दुश्मन के हस्तक्षेप के बिना अपने परिचालन कार्यों को पूरा करने में सक्षम बनाता है और उन्हें दुश्मन की गोलीबारी से सुरक्षा भी प्रदान करता है।

परेड का अहम हिस्सा बनी 'नाग' मिसाइल को डीआरडीओ द्वारा दिन और रात की स्थितियों में अत्यधिक मजबूत दुश्मन टैंकों से निपटने के लिए विकसित किया गया है। भारत में निर्मित 'ध्रुवास्त्र' एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल को 'हेलिना' भी कहा जाता है, जिसका नाम इससे पहले 'नाग' मिसाइल था। यह तीसरी पीढ़ी की 'दागो और भूल जाओ' टैंक रोधी मिसाइल है, जिसे हेलीकॉप्टर, टैंक, बीएमपी या किसी भी आर्म्ड व्हीकल पर तैनात किया जा सकता है और इसमें 8 किलोग्राम विस्फोटक लगाकर इसे बेहतरीन मारक मिसाइल बनाया जा सकता है। टी-90 टैंक रूस का मुख्य युद्धक टैंक है, जिसे भारत ने अपनी जरूरत के हिसाब से बदलकर उसका नाम 'भीष्म' रखा है। 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलने में सक्षम इस टैंक में 125 मिलिमीटर स्मूथबोर गन है और टैंक पर 43 गोले स्टोर किए जा सकते हैं। इसकी ऑपरेशनल रेंज 550 किलोमीटर है। कई देशों में इस टैंक के रूसी वर्जन का उपयोग किया जा रहा है। फिलहाल 2078 टी-90 टैंक सेवा में हैं और भारत की रूस के साथ डील के तहत रूस 2025 तक 1657 भीष्म को ड्यूटी पर तैनात कर देगा। गणतंत्र दिवस परेड में क्विक फाइटिंग रिएक्शन व्हीकल, ऑल टेरेन व्हीकल और स्पेशलिस्ट मोबिलिटी व्हीकल भी शामिल हुए, जिनका इस्तेमाल रेगिस्तानी, पहाड़ी और बर्फीले क्षेत्रों में सैनिकों के ट्रांसपोर्टेशन के लिए किया जाता है। इसके अलावा इन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से एयरलिफ्ट भी किया जा सकता है। इनका सस्पेंशन इनकी विशेषता है, जो इन्हें 60 डिग्री एलिवेशन और 45 डिग्री डिप्रैशन पर काम करने के योग्य बनाती है।

20 साल बाद गणतंत्र दिवस परेड में कर्त्तव्य पथ पर दुश्मन के लिए बारूदी सुरंग बिछाने और अपने सैनिकों के लिए इसे हटाकर सुरक्षित मार्ग प्रशस्त करने के काम में माहिर 'बम्बई सैपर्स' की 149 सदस्यीय टुकड़ी ने भी हिस्सा लिया। परेड में महिलाओं की रक्षा बलों में बढ़ती भूमिका को भी प्रदर्शित किया गया। 60 महिला सैनिक ट्राई सर्विस की सभी महिला मार्चिंग टुकड़ी का हिस्सा बनी, जिसमें वायुसेना और नौसेना की महिलाएं भी शामिल रही। दो महीने पहले ही कर्नाटक के एयरमैन ट्रेनिंग स्कूल बेलगावी से उत्तीर्ण हुई वायु अग्निवीर भी परेड का हिस्सा बनी। अग्निवीरों की त्रि-सेवा मार्चिंग टुकड़ी में 144 महिलाएं शामिल थी। कुल मिलाकर, गणतंत्र दिवस समारोह में परेड के दौरान कर्त्तव्य पथ पर भारत की सैन्य ताकत के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक झलक भी दिखाई दी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

आवासीय निर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ता भारत

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारत में किसी परिवार के पास रहने के लिए यदि अपनी छत है तो इसे उस परिवार की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। आर्थिक समृद्धि के शुरुआती दौर में केवल अपनी छत होने को ही उस परिवार विशेष के लिए आर्थिक सफलता का एक पैमाना माना जाता है। परंतु, धीरे धीरे वह परिवार आर्थिक तरक्की करते करते इस स्तर पर पहुंच जाता है कि उसे इस छोटे से मकान के स्थान पर सर्वसुविधा युक्त एक बड़े मकान की आवश्यकता महसूस होने लगती है। इस प्रकार का आर्थिक विकास किसी भी देश के लिए शुभ माना जा सकता है। हाल ही के समय में भारत में भी यह सब होता हुआ दिखाई दे रहा है। अभी हाल ही में दिल्ली के पास गुरुग्राम में एक सर्वसुविधा युक्त आवासीय प्रोजेक्ट की घोषणा की गई थी। इस आवासीय प्रोजेक्ट में 7,200 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 1113 फलैट्स मात्र 3 दिन में ही बिक गए थे। यह भारत की आर्थिक सम्पन्नता को दर्शाता है। वैसे भी भारत में मकान खरीदने को एक ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में देखा जाता है और इसे भावनात्मक अनुभव एवं वित्तीय सुरक्षा की गारंटी माना जाता है। इस दृष्टि से भारत में आवासीय निर्माण के लिए वर्ष 2023 एक अति सफल वर्ष साबित हुआ है और इसके आधार पर यह कहा जा रहा है कि वर्ष 2024 इससे भी अधिक बढ़िया वर्ष साबित होने जा रहा है। विदेशी आक्रांताओं एवं अंग्रेजों द्वारा भारत को पिछले 1000 से अधिक वर्षों के दौरान लूटा खसोटा गया है। अब जाकर भारत का पुनर्निर्माण काल प्रारम्भ हुआ है। अभी तक भारतीय नागरिकों का लक्ष्य अपने सर पर छत होना अधिक महत्वपूर्ण कार्य था परंतु अब इसे सर्वसुविधा युक्त आवास के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। भारत को मिली राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के समय से विभिन्न सरकारों द्वारा देश में पब्लिक हाउसिंग प्रोजेक्ट प्रारम्भ किए गए थे। इन प्रोजेक्ट के माध्यम से विभिन्न सरकारों द्वारा नागरिकों के लिए घर बनाकर उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। साथ ही, बाद के खंडकाल में सरकारों द्वारा देश में भूमि सुधार कार्यक्रम भी लागू किए गए ताकि खाली पड़ी जमीन को शहरों में रिहायशी इलाकों के तौर पर विकसित किया जा सके। इन भूमि सुधार कार्यक्रमों को लागू करने के बाद निजी क्षेत्र में भी रिहायशी मकानों को बनाने की अनुमति प्रदान की गई। इसके बाद से तो देश में सर्व सुविधा युक्त आवासीय प्रोजेक्ट की जैसे बाढ़ ही आ गई। इन विभिन्न प्रोजेक्ट के अंतर्गत निर्मित होने वाले सर्व सुविधा युक्त मकान हाथो हाथ बिकने भी लगे। अब तो देश में बड़े बड़े रिहायशी मकान के प्रोजेक्ट, सूचना प्रौद्योगिकी पार्क, शॉपिंग माल्स आदि भारी मात्रा में विकसित किए जा रहे हैं। अब तो अति महंगे एवं बड़े आकार के फलैट्स भी भारत में आसानी से हाथों हाथ बिकने लगे हैं। वर्ष 2024 आते आते भारत का रियल एस्टेट बाजार अब पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ता बाजार बन गया है। आज भारत के समस्त बड़े महानगरों में एक बात सामान्य सी नजर आती है कि यहां बहुमंजिला इमारतों का निर्माण कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। वर्ष 2023 में भारत का रियल एस्टेट बाजार लगभग 26,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का था जो 2030 में बढ़कर एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने वाला है और 2047 तक 5.8 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का।

वर्तमान में रियल एस्टेट बाजार भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7 प्रतिशत का योगदान करता है एवं इस क्षेत्र में 5 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। रियल एस्टेट क्षेत्र के आगे बढ़ने से विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े अन्य कई उद्योगों को भी बढ़ावा मिलता है। जैसे सीमेंट उद्योग, स्टील उद्योग, ग्लास उद्योग, आदि। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2047 तक रियल एस्टेट बाजार का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 15 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

भारत में वर्ष 2022 में 3.27 लाख करोड़ रुपए की कीमत के मकान बेचे गए थे एवं वर्ष 2023 में 4.5 लाख करोड़ रुपए की कीमत के मकान बेचे गए। इस प्रकार वर्ष 2023 में इस क्षेत्र में 38 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है। इस क्षेत्र में मांग बहुत अधिक तेज बनी हुई है। भारत में रिहायशी मकानों की दृष्टि से सबसे बड़े 7 बाजार हैं - मुंबई, दिल्ली एनसीआर, बंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, एवं पुणे। यह भारत के सबसे बड़े महानगर भी माने जाते हैं। भारत में रिहायशी मकानों के बिक्री में इतनी अधिक वृद्धि दर इसलिए दर्ज हो रही है क्योंकि भारत में आर्थिक विकास ने तेज गति पकड़ ली है। गरीब वर्ग, मध्यम वर्ग बन रहा है तो मध्यम वर्ग अमीर वर्ग। इसलिए महंगे महंगे फलैट्स की मांग अधिक तेजी से बढ़ रही है। दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों को पिछले लम्बे समय से स्थिर रखा हुआ है। साथ ही, भारत में मुद्रा स्फीति की दर भी अब घटने लगी है। भारत के मध्यम वर्ग की आय बढ़ी है और वे रियल एस्टेट में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। केंद्र सरकार भी नागरिकों को इस क्षेत्र में निवेश के लिए प्रोत्साहन दे रही है। आय कर की दरें कम की गई हैं। नए मकान खरीदने वालों को केंद्र सरकार की ओर से सब्सिडी दी जा रही है। 卐स्कीम फोर अफोर्डबल हाउस卐 लागू की गई है। परंतु, भारत में केवल अफोर्डबल मकान ही नहीं खरीदे जा रहे हैं बल्कि अब नागरिक सर्वसुविधा युक्त महंगे मकानों में भी निवेश कर रहे हैं। किसी मकान की कीमत 1.5 करोड़ रुपए से अधिक होने पर उसे सर्वसुविधा युक्त मकान की श्रेणी में गिना जाता है एवं मुंबई में 2.5 करोड़ रुपए से अधिक की कीमत वाले मकान को सर्व सुविधा युक्त श्रेणी के मकान में गिना जाता है। भारत में वर्ष 2023 में सर्वसुविधा युक्त मकानों की बिक्री 130 प्रतिशत बढ़ गई हैं। भारत में वर्ष 2022 में 3000 सर्वसुविधा युक्त मकानों की बिक्री हुई थी जबकि वर्ष 2023 में 6900 सर्वसुविधा युक्त मकानों की बिक्री हुई है।

जिन रिहायशी मकानों की कीमत 40 करोड़ रुपए से अधिक होती है उन्हें अल्ट्रा सर्वसुविधा सम्पन्न रिहायशी मकान की श्रेणी में गिना जाता है। वर्ष 2023 में इन मकानों की बिक्री 200 प्रतिशत बढ़ गई है। देश के 7 महानगरों में लगभग 600 अल्ट्रा सर्वसुविधा सम्पन्न मकान भारत में बिके हैं। यह दर्शाता है कि भारत में अति समृद्ध नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में करोड़पति (मिलिनायर) नागरिकों की जनसंख्या 69 प्रतिशत बढ़ गई है। अल्ट्रा हाई नेटवर्थ (3 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की आय) नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। एक अनुमान के अनुसार भारत में अगले तीन वर्षों में अल्ट्रा हाई नेटवर्थ नागरिकों की संख्या 19000 होने जा रही है। इस श्रेणी के नागरिक अल्ट्रा सर्वसुविधा सम्पन्न मकान चाह रहे हैं। इसी प्रकार कार्यालय के लिए स्थान, मॉल के लिए स्थान, ई-कामर्स कम्पनियों को अपना स्टॉक रखने के लिए बहुत बड़े आकर के गोडाउन की आवश्यकता भी भारत में अब लगातार बढ़ रही है। इस तरह के निर्माण में विदेशी निवेशक भी अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2023 के प्रथम 6 माह में विदेशी निवेशकों ने 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निजी निवेश भारत में किया है। इसमें से आधा यानी 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर रियल एस्टेट के क्षेत्र में किया गया है।

विचार मंथन

भारतीय संविधान बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय और स्वतंत्रता की गारंटी

(लेखक - सनत जैन)

15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया। स्वतंत्रता का लाभ प्रत्येक नाग रिक के जन गण और मन तक पहुंचे। इसके लिए हमारे संविधान निर्माताओं ने कई महीने तक मंथन किया। कई देशों की परंपराओं और उनके नियमों का अध्ययन कर भारत के लिए जो जरूरी हो सकता था। भारतीय परंपराओं और धार्मिक परंपराओं को देखते हुए विविधता के साथ आत्मसात करते हुए भारतीय संस्कृति संस्कृति को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक नाग रिक के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए सभी के कर्तव्य और सभी के अधिकार की जो व्याख्या भारतीय संविधान में की है, वह अद्भुत है। भारत का जो लिखित संविधान है। इसकी तुलना किसी भी अन्य देश से नहीं की जा सकती है। क्योंकि किसी के भी पास इतना विस्तृत लिखित संविधान नहीं है भारत ने हजारों वर्षों तक औपनिवेशिकता और साम्राज्यवाद के दंश को झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ था उसे समय विभाजन की विभीषिका को भी देखा। महात्मा गांधी की हत्या भी देखी। हिंदू और मुसलमान के बीच में जो संघर्ष स्वतंत्रता के तुरंत बाद देखा। उन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान की रचना की संविधान ने किसी भी नागरिक के अधिकारों को लेकर कोई भेदभाव नहीं किया। सभी को मताधिकार का अधिकार दिया। सभी के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित बनाने के लिए आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक, क्षेत्रीय, जातीय, धार्मिक, योगिक, भाषायी स्वतंत्रता को बनाए रखा। ब्रह्मा, विष्णु और महेश की तर्ज पर भारतीय संविधान को लागू करने में प्रत्येक नागरिक की स्वतंत्रता और उसके मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को दी। हमारे संविधान निर्माताओं ने इस बात का भी ध्यान रखा कि कोई भी एक अपनी शक्ति का मनमाना प्रयोग नहीं कर सके। इसके लिए विधायिका को कानून बनाने की शक्ति दी। कानून का पालन कराने की शक्ति कार्यपालिका को दी। जिन दो शक्तियों को अधिकार दिए गए, उस पर अंकुश लगाकर नियंत्रित करने का अधिकार न्यायपालिका को दिया। चौथे स्तंभ के रूप में जनता और मीडिया को सर्वाधिकार दिए गए कि उन पर शासन करने वाले को प्रत्येक 5 वर्ष में चुनाव के माध्यम से अपने जनप्रतिनिधि चुनेंगे, जो संविधान के प्रावधानों के अनुसार अपने अपने अधिकारों और अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। हजारों वर्षों की गुलामी के बाद पहली बार भारत के 36 करोड़ लोगों ने 1947 में आजादी की सांस ली थी। सभी को स्वतंत्रता से अपनी बात कहने का मौका मिला था। सभी को समान रूप से अधिकार दिए गए। स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में हमारे जो स्वतंत्रता सेनानी आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे। उनमें देशभक्ति को लेकर जज्बा था। उन्होंने गुलामी और पूंजीवाद का दंस सहा था। उन्होंने भारत के संविधान को बनाते समय नागरिकों की स्वतंत्रता मैं गरीबी और अमीरी के बीच में कोई भेदभाव नहीं किया। उन्होंने सभी वर्गों को अपनी अपनी धार्मिक, सामाजिक परंपराओं के साथ कर्तव्य और अधिकार के निर्वहन का प्रावधान संविधान में किया था। भारतीय संविधान ने बहुजन हिताय और बहुजन सुखाय की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए शासक को चुनने का अधिकार आम जनता को दिया था। प्रत्येक 5 वर्ष में जनता अपने प्रतिनिधि का चुनाव करती है। यही विधायिका के रूप में प्रतिष्ठित होते हैं। इन्हीं लोगों के पास कानून बनाने की शक्ति है। कार्यपालिका पर नियंत्रण करने का अधिकार भी इनके पास है। संवैधानिक संस्थाओं को संविधान ने अधिकार दिए हुए हैं। न्यायपालिका एवं संवैधा निक संस्थाओं को सर्वोच्च स्तर पर रखा गया है। कई दशकों तक न्यायपालिका, चुनाव आयोग इत्या दि ने अपने कार्य को बहुत अच्छे तरीके से किया। न्यायपालिका के अंकुश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी न्यायालय में तलब कर लिया, उनकी भी गवाही ले ली। उनके निर्वाचन को भी अवैध घोषित कर दिया था। यह सं विधान में न्यायपालिका की शक्ति थी। कोई भी साधारण नाग रिक न्यायालय तक जाकर अपने लिए न्याय की मांग कर सकता है। न्यायालय द्वारा दिए गए आदेशों का पालन करना कार्यपालिका के लिए अंतिम विकल्प है। न्यायपालिका के आदेश पर विधायिका और कार्यपालिका को किंतु परंतु का कोई भी अधिकार हमारे संविधान ने नहीं दिया। न्यायालय को भी संवैधानिक दायरे में रहकर सभी पक्षों की बात सुनने के बाद लिखित में निर्णय करने की बाध्यता है। न्यायपालिका पर भी निष्पक्षता के साथ काम करने की जिम्मेदारी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हर किस्म के दबाव से बाहर रखा गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने के लिए महाभियोग के प्रावधान किए गए हैं। ताकि विधायिका तथा कार्यपालिका उनके काम में ना तो कोई रोडे डाल सके।

स्पाइसजेट एयरलाइंस ने जुटाए 744 करोड़

नई दिल्ली । बजट एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा है कि उसने पूंजी निवेश के पहले राउंड में 744 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। कंपनी ने कहा है कि इस फंड को शेयरों के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट और वारंट्स के जरिए जुटाया गया है। एयरलाइंस ने बताया है कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 25 जनवरी को एक बैठक में कुल 54 सब्सक्राइबर्स को 5.55 करोड़ इक्विटी शेयर के अलॉटमेंट की इजाजत दी थी। इसके साथ ही एयरलाइंस के बोर्ड ने इलारा इंडिया अपोर्चुनिटीज फंड` लिमिटेड और सिल्वर स्टेलान लिमिटेड को कुल 9.33 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करने मंजूरी भी दी है। लंबे समय से आर्थिक संकट से जूझ रही एयरलाइन स्पाइसजेट अलग-अलग तरीके से फंड जुटाने की कोशिश कर रही है। अगले राउंड का फंड कंपनी एक बार फिर वारंट और इक्विटी के जरिए इकट्ठा करने की कोशिश कर रही है। कंपनी द्वारा 744 करोड़ रुपए का फंड जुटाने के बाद स्पाइसजेट के चेयरमैन व एमडी अजय सिंह ने कहा कि हम पर विश्वास बनाए रखने के लिए हम अपने निवेशकों के शुक्रगुजार हैं। इस फंड से एयरलाइन के संचालन को और विस्तृत करने में मदद मिलेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में कंपनी के घाटे में बड़ी कमी देखने को मिली है और यह 431.54 करोड़ रुपए पर आ गया है। पिछले साल समान तिमाही में कंपनी का घाटा 837.8 करोड़ रुपए था। इससे पहले कंपनी ने अप्रैल से जून की तिमाही में 197.53 करोड़ रुपए का मुनाफा हासिल किया था।

आकासा ने इंजन खरीदने सीएफएम से किया समझौता

मुंबई । घरेलू विमानन कंपनी अकासा एयर और इंजन विनिर्माता सीएफएम इंटरनेशनल ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत अकासा एयर अपने 150 बोइंग 737 मैक्स विमानों के लिए 300 से अधिक सीएफएम लीप-1बी इंजन खरीदेगी। अकासा एयर ने कहा कि समझौते में अतिरिक्त इंजन और सेवा अनुबंध भी शामिल है। हालांकि एयरलाइन ने सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया। आकास एयर ने 18 जनवरी को 150 बोइंग 737 मैक्स विमानों के ऑर्डर की घोषणा की थी। कंपनी ने अगस्त 2022 में अपना परिचालन शुरू किया और पहले कुल 76 लीप-1बी- इंजन युक्त 737-8 विमानों का ऑर्डर दिया था। वर्तमान में इनमें से 22 विमान सेवा में हैं।

ओला के फाउंडर अग्रवाल की कृत्रिम बनी भारत की पहली एआई स्टार्टअप फर्म

नई दिल्ली । भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली दिग्गज कंपनी ओला इलेक्ट्रिक्स के फाउंडर और चेयरमैन भाविश अग्रवाल की एआई स्टार्ट अप फर्म कृत्रिम भारत की पहली एआई यूनिकॉर्न बन गई है। कंपनी ने बताया कि उसने मैट्रिक्स पार्टनर्स इंडिया सहित निवेशकों से 5 करोड़ डॉलर की फंडिंग प्राप्त करने के बाद यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल कर` लिया है। गौरतलब है कि कोई भी स्टार्टअप कंपनी जिसकी वैल्यूएशन 1 अरब डॉलर हो जाती है, उसे यूनिकॉर्न का दर्जा प्राप्त हो जाता है। कृत्रिम के चेयरमैन भाविश अग्रवाल ने कहा कि भारत को अपना एआई बनाना होगा और कृत्रिम में हम देश का पहला कंपलीट एआई कंप्यूटिंग स्टैक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें कि कृत्रिम एक संस्कृत शब्द है जिसका अंग्रेजी भाषा में ऑर्टिफिशियल कहा जाता है। भाविश अग्रवाल की इस कंपनी का लक्ष्य कंपलीट एआई कंप्यूटिंग स्टैक के निर्माण पर फोकस करना है। गौरतलब है कि कृत्रिम ने दिसंबर, 2023 में अपने बेस लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) का अनावरण किया था। इसे बेंगलूरु और सैन फ्रांसिस्को की दिग्गज कंप्यूटर वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा ट्रेनिंग दी गई है। यह मॉडल कृत्रिम के एआई असिस्टेंट को बातचीत करने में भी मदद करेगा। यह कई भारतीय भाषाओं को बिना रुकावट के समझता और बोलता है। कंपनी ने कहा कि फरवरी 2024 में उपयोगकर्ता के लिए कृत्रिम बीटा वर्जन में उपलब्ध होगा। इसके अलावा यह एआई एप्लिकेशन बनाने के इच्छुक उद्यमों और डेवलपर्स के लिए एपीआई के रूप में भी उपलब्ध होगा।

गणतंत्र दिवस पर बिक्री ने तोड़ा पिछले साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

गणतंत्र दिवस के मौके पर लोगों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन जमकर खरीदारी की है जिससे खरीदारी का रिकॉर्ड पिछले साल से भी आगे निकल गया है। साल 2023 में बिक्री की तुलना में 2024 गणतंत्र दिवस की बिक्री ज्यादा हुई है। एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि पिछले साल की बिक्री की तुलना में 2024 में गणतंत्र दिवस बिक्री के दौरान उसके ई-कॉमर्स ऑर्डर आइटम में 18.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गणतंत्र दिवस की बिक्री के दौरान ई-कॉमर्स की बढ़ोतरी को प्रमुख बाजारों द्वारा किए गए एक्ससिटिंग ऑफर्स और राष्ट्रव्यापी विपणन अभियानों से समर्थन मिला है। इससे बाज़ारों को इस अवधि के दौरान साल-दर-साल ऑर्डर आइटम वृद्धि 28.7 प्रतिशत दर्ज करने में मदद मिली है। दूसरी ओर ब्रांड वेबसाइटों ने सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की धीमी वृद्धि दर्ज की है, जबकि औसत ऑर्डर मूल्य में मजबूत वृद्धि जारी है। ई-कॉमर्स के प्रति उपभोक्ता की जागरूकता प्रीपेड ऑर्डर में 20.6 प्रतिशत की वृद्धि में स्पष्ट थी, बिक्री अवधि के दौरान कैश-ऑन-डिलीवरी (सीओडी) ऑर्डर में 16.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में मजबूत प्रदर्शन के बाद, गणतंत्र दिवस की बिक्री ने बढ़ते ई-कॉमर्स उद्योग के लिए नए साल की जोरदार शुरुआत की। रिपब्लिक डे के मौके पर लोग जमकर झंडे कर तिरंगे के प्रिंट वाली टी-शर्ट खरीदते हैं। ऐसे में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों की जगह इन चीजों की जमकर खरीदारी होती है। ऑनलाइन ब्लिंकइट से लेकर स्विगी इंस्टमार्ट, अमेजॉन, फ्लिपकार्ट और जेप्टो पर ये खरीदारी और इंस्टेंट डिलीवरी के लिए उपलब्ध है।

गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स देगी अपने निवेशकों को बोनस

मुंबई । स्मॉलकैप कंपनी गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स के शेयरों ने पिछले कुछ साल में बंपर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 2 से बढ़कर 360 रुपये के पार पहुंच गए हैं। गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स के शेयरों में इस अवधि में 16000 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। एग्रो प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अब निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा देने जा रही है। गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स पहली बार बोनस शेयर देने की तैयारी में है। गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 2 फरवरी 2024 को बैठक है। बैठक में कंपनी का बोर्ड बोनस शेयर इश्यू करने पर विचार और उम्मीद हैं इस मंजूरी देगा। गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स का यह पहला बोनस शेयर होगा। कंपनी ने अक्टूबर 2020 में शेयरों का बंटवारा किया था। कंपनी ने 2 रुपये फेसवैल्यू वाले शेयरों को 1 रुपये फेसवैल्यू वाले शेयरों में बांटा था।

राजदूत संधू भारत-अमेरिका संबंधों के अग्रणी वास्तुकारों में से एक हैं: यूएसआईएसपीएफ प्रमुख

वाशिंगटन ।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू भारत-अमेरिका संबंधों के अग्रणी वास्तुकारों में से एक हैं। एक शीर्ष भारत-केंद्रित अमेरिकी व्यापार समूह के प्रमुख ने यह बात कही। अमेरिका-भारत रणनीतिक एवं साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष और सीईओ मुकेश अघी ने यहां निवर्तमान भारतीय राजदूत के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में कहा कि संधू की उपलब्धियां बहुत अधिक और प्रभावशाली हैं। यूएसआईएसपीएफ ने विदाई समारोह आयोजित किया था। मंच ने कहा कि राजदूत संधू दोनों देशों के रिश्ते के अग्रणी वास्तुकारों में से एक रहे हैं। ये संबंध स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा साझेदारी, अंतरिक्ष सहयोग, रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंधों के आधार पर मजबूत हो रहे हैं। संधू (61) इस महीने 35 साल के राजनयिक करियर के बाद विदेश सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अघी ने कहा कि उन्होंने जब फरवरी 2020 में वाशिंगटन में पदभार संभाला, तो महामारी के चलते एक चुनौतीपूर्ण वक्त था। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय छात्रों को घर लौटने में मदद की, प्रवासी भारतीयों के लिए लंबित वीजा मामलों पर काम किया और दोनों देशों के बीच वैक्सीन कूटनीति को मजबूत किया। महामारी के बाद संधू ने वाशिंगटन में पहले सैद्धान्तिक क्वाड शिखर सम्मेलन का नेतृत्व करने, व्यापार नीति फोरम को फिर से शुरू करने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद की।

लगातार दूसरे सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और एफआईआई की बिकवाली के दबाव की वजह से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। बीते सप्ताह सोमवार को अयोध्या में राम में दिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर शेयर बाजार बंद होने से शेयर बाजार में केवल तीन` दिन कारोबार हुआ यानी कि बीता सप्ताह कम सत्रों वाला रहा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के तीन कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो शेयर बाजार में मंगलवार को सकारात्मक रूप से हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। बाजार को अच्छे वैश्विक संकेतों से मजबूत मिली। दिसंबर तिमाही में शानदार नतीजों के बाद आईसीआईसीआई बैंक समेत अन्य शेयरों में जमकर खरीदारी दिखी। इसके कारण सेंसेक्स 500 अंक ऊपर खुला और 1,053.10 अंकों की गिरावट के साथ 70,370.55 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी शुरुआती कारोबार 21700 पर खुला और 333.00 अंक टूटकर 21,238.80 के स्तर पर बंद हुआ।

बुधवार को वैश्विक मिलेजुले ग्लोबल संकेतों का बाजार पर असर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान सेंसेक्स 200 अंक फिसलकर 70000 पर खुला और 689.76 अंकों की बढ़त के साथ 71,060.31 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 69.16 अंक मजबूत होकर 21,307.95 पर खुला और 215.16 अंकों की बढ़त के साथ 21,453.95 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर खुले। टेक महिंद्रा के कमजोर तिमाही नतीजों के बाद आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली दिखी और इससे बाजार में नकारात्मक रुझान बना। सेंसेक्स 692.17 फिसलकर 70,338.65 पर खुला और 359.64 अंक गिरकर 70,700.67 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 34 अंकों की कमजोरी के साथ 21,419 पर खुला और 101.36 अंक फिसलकर 21,352.60 पर बंद हुआ।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा पर देना होगा ध्यान: राजन

कोलकाता ।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। यह बात प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने हाल ही में एक सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले 25 वर्षों में छह प्रतिशत की औसत वृद्धि दर बनाए रखी है, जो किसी भी देश के लिए आसान उपलब्धि नहीं है। राजन ने एक मजबूत नींव बनाने के लिए शासन सुधारों के साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। राजन ने ये टिप्पणी कोलकाता साहित्य सम्मेलन में ब्रेकिंग द मोल्ड- रीइमेजिनिंग इंडियाज इकोनॉमिक फ्यूचर किताब के विमोचन के मौके पर कही। यह किताब उन्होंने अर्थशास्त्री रोहित लांबा के साथ मिलकर लिखी है। उन्होंने कहा कि यदि भारत 2047 तक एक विकसित देश बनना चाहता है, तो उसे सात प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी। उन्होंने कहा कि सात प्रतिशत की वृद्धि दर पर भारत की प्रति व्यक्ति आय मौजूदा 2,400 डॉलर से बढ़कर 2047 में 10,000 डॉलर हो जाएगी,

जिससे देश निम्न मध्यम-आय वर्ग में आ जाएगा। राजन ने कहा कि भारत को इस समय जो जनसांख्यिकीय लाभांश मिल रहा है, वह 2050 के बाद कम हो जाएगा। इसलिए भविष्य की दिशा अभी से निर्धारित करने की जरूरत है।

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले 10 महीनों में रिकॉर्ड 75,000 पेटेंट दिए: गोयल

नई दिल्ली । वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले 10 महीनों में रिकॉर्ड 75,000 पेटेंट दिए हैं और यह भारत की नवप्रवर्तन करने की क्षमता को बताता है। गोयल ने यहां 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर नवप्रवर्तकों और उद्यमियों के साथ बातचीत में यह भी कहा कि उद्यमियों पर बोझ कम करने के लिए 40,000 अनुपालनों को या तो समाप्त कर दिया गया है अथवा सरल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले 10 महीनों में रिकॉर्ड 75,000 पेटेंट दिए हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार कारोबार करना आसान बना रही है और कानून की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करने सरल बना रही है। उन्होंने कहा कि देश में कारोबार के संबंध में कई कानून को अपराधीकरण की श्रेणी से हटाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया गया है। जन विश्वास कानून उस दिशा में पहला कदम था। इसने लोगों और व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि सरकार उन पर विश्वास करती है। गोयल ने कहा कि अगर आप छोटी सी गलती करते हैं तो आपको आपराधिक प्रावधानों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। मंत्रालय ने आईपी (बौद्धिक संपदा) कानूनों को आधुनिक बनाने और पेटेंट, ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट से संबंधित जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने को कई विधायी सुधार किए हैं।

फॉक्सकॉन के सीईओ यंग लियू पद्म भूषण से सम्मानित

- यंग लियू पद्द भूषण का सम्मान पाने वाले पहले विदेशी बने

नईदिल्ली ।

ताइवान की टेक्नोलॉजी कंपनी फॉक्सकॉन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) यंग लियू को भारत सरकार ने पद्मभूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया है। वह पहले विदेशी हैं, जिन्हें सरकार ने तीसरा सबसे बड़ा सिविलियन अवॉर्ड दिया है। वे एक जाने माने उद्यमी हैं। यंग लियू को तकनीकी क्षेत्र में 40 साल से ज्यादा का अनुभव है। फॉक्सकॉन करीब 70 फीसदी आईफोन को असेम्बल करती है। भारत में तेजी से इस कंपनी का विस्तार हो रहा है। यंग लियू इस कंपनी के मुखिया हैं। फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर है। यंग लियू को एक बड़े इनोवेटर के तौर पर जाना जाता है। वह अभी तक 3 कंपनियों की स्थापना कर चुके हैं। साल 1988 में उन्होंने यंग माइक्रो सिस्टम्स की स्थापना की। यह कंपनी मदरबोर्ड बनाती है। इसके बाद साल 1995 में आईसी डिजाइन कंपनी की स्थापना की। यह कंपनी पीसी चिपसेट के लिए आईसी डिजाइन करती है। वहीं साल 1997 में आईटीई टेक्नॉलॉजी नाम की कंपनी स्थापित की।

फॉक्सकॉन भारत में तेजी से अपने कारोबार का विस्तार कर रही है। कंपनी को भारत में दिसंबर महीने में एक बिलियन डॉलर के एडिशनल फंडिंग की मंजूरी मिली थी। इससे भारत में नया कारखाना खोला जाएगा, जहां केवल एप्पल प्रोडक्ट्स का निर्माण किया जाएगा। कोविड के बाद कंपनी चीन के अलावा भारत में अपना विस्तार कर रही है। साल 2023 में दक्षिण भारत में कंपनी ने तेजी से अपना कारोबार फैलाया है। कंपनी की योजना अप्रैल 2024 तक भारत में आईफोन बनाने की है। फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। कोरोना और चीन के साथ तनाव के बाद फॉक्सकॉन चीन से बाहर भी उत्पादन कर रही है। पिछले साल उन्होंने कहा था कि भारत में सुधार और नीतियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए बहुत बड़े मौके दिए हैं। उन्होंने कहा था` कि भविष्य में मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत बहुत महत्वपूर्ण देश होगा। बता दें कि पद्म भूषण भारत के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। इसे गणतंत्र दिवस के पहले दिया जाता है। इस साल 132 लोगों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है।

बजट से एमएसएमई सेक्टर को काफी उम्मीदें

- क्रेडिट लाइन और फंडिंग के मोर्चे पर मिल सकता है तोहफा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 31 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र के दूसरे दिन 1 फरवरी को चुनावों से पहले अंतरिम बजट पेश करेंगी। इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले एमएसएमई सेक्टर को काफी उम्मीदें हैं। एमएसएमई सेक्टर यानी माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज की बात करें तो देश की अर्थव्यवस्था में इसका बड़ा योगदान है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की कुल जीडीपी में अकेले इस सेक्टर ने 29.15 फीसदी का योगदान दिया था। मतलब भारत की अर्थव्यवस्था का लगभग एक तिहाई हिस्सा एमएसएमई सेक्टर से आ रहा है। ऐसे में यह सेक्टर ओवरऑल पूरी अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। एमएसएमई सेक्टर के सामने सबसे बड़ी समस्या आती है फंडिंग की। इस सेक्टर को इंस्टीट्यूशनल क्रेडिट की कमी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इंडस्ट्री एक्सपर्ट उम्मीद कर रहे हैं कि अंतरिम बजट में एमएसएमई के लिए ब्याज दरों पर प्रोत्साहन, क्रेडिट गारंटी स्कीम और फंडिंग के विकल्पों में विस्तार जैसे उपाय किए जा सकते हैं। सरकार ने देश को अगले साल तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। अभी भारत की अर्थव्यवस्था का साइज करीब 3.75 ट्रिलियन डॉलर है. 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का लक्ष्य पाने में एमएसएमई का योगदान काफी महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। इस कारण भी मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के इस अंतरिम बजट से एमएसएमई के लिए बड़े ऐलान की उम्मीद की जा रही है।

सरकार ने तेल कंपनियों को बजट समर्थन आधा कर 15000 करोड़ किया

- तेल कंपनियों ने रणनीतिक तेल भंडार भरना टाला

नई दिल्ली ।

सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा ईंधन विक्रेताओं में किए जाने वाले इक्विटी निवेश की राशि को आधा कर 15,000 करोड़ रुपये कर दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल एक फरवरी को वित्त वर्ष 2023-24 का आम बजट पेश करते हुए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेश लिमिटेड (एचपीसीएल) में 30,000 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश की घोषणा की थी। यह निवेश इन तीनों कंपनियों द्वारा ऊर्जा बदलाव योजनाओं में किए जाने वाले निवेश का समर्थन करने के लिए किया जाना था। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कर्नाटक के मैंगलोर और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रणनीतिक भूमिगत भंडारण को भरने के लिए कच्चा तेल खरीदने को लेकर 5,000 करोड़ रुपये का भी प्रस्ताव किया था। इसका इस्तेमाल किसी भी आपूर्ति व्यवधान से बचाने के लिए होना था। वित्त मंत्रालय ने कहा कि तेल बाजारों में उभरते रुझानों को देखते हुए उस योजना को भी स्थगित कर दिया गया है। अन्य सरकारी तेल कंपनियों जैसे ओएनजीसी और गेल (इंडिया) लिमिटेड ने भी शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। हालांकि, इक्विटी समर्थन तीन ईंधन खुदरा विक्रेताओं तक सीमित था। इन कंपनियों को 2022 में लागत से कम मूल्य पर पेट्रोलियम उत्पाद बेचने के चलते भारी नुकसान हुआ था। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन का विवरण देते हुए इक्विटी समर्थन को आधा करने और रणनीतिक भंडार भरने को टालने के बारे में जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-34 के बजट में ऊर्जा बदलाव और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन उद्देश्यों तथा ऊर्जा सुरक्षा के लिए प्राथमिकता वाले पूंजी निवेश के लिए 35,000 करोड़ रुपये प्रदान किया है। इसमें से 30,000 करोड़ रुपये तेल विपणन कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को हरित ऊर्जा और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन पहल के लिए पूंजी समर्थन के लिए थे।

जी एंटरटेनमेंट पड़ सकती है मुश्किल में! कानूनी कार्रवाई कर सकती है डिज्नी स्टार

विलय समझौते की शर्तों के उल्लंघन के लिए नौ करोड़ डॉलर का दावा किया गया

नई दिल्ली ।

डिज्नी स्टार भारत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के टीवी प्रसो रिक करने के लिए 1.4 अरब डॉलर के उप-लाइसेंसिंग समझौते से हटने के लिए जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) एक और कानूनी समस्या में उलझ सकती है। कंपनी पहले से ही सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर में सोनी ग्रुप की मध्यस्थता याचिका का सामना कर रही है। इसमें विलय समझौते की शर्तों के उल्लंघन के लिए नौ करोड़ डॉलर का दावा किया गया है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि मीडिया समूह द वॉल्ट डिज्नी की भारतीय अनुषंगी डिज्नी स्टार इस मामले में अपनी रणनीति पर काम कर रही है। यदि रद्द किए गए समझौते में मध्यस्थता उपबंध शामिल है, तो डिज्नी स्टार को विवाद के समाधान के लिए मध्यस्थता कार्यवाही का सहारा लेना पड़ सकता है। यदि समझौते में मध्यस्थता खंड का जिक्र नहीं है, तो डिज्नी जी पर क्षतिपूर्ति के लिए कानूनी कार्यवाही शुरू कर सकती है। जी एंटरटेनमेंट पहले ही लगभग 20 करोड़ डॉलर की पहली किस्त नहीं दे पाई है। उसने अब डिज्नी स्टार को सूचित किया है कि वह समझौते में आगे नहीं बढ़ेगी। बताया जा रहा है कि यह कंपनी का सोनी के साथ विलय सौदा परवान नहीं चढ़ने का नतीजा है। एक अन्य सूत्र ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि डिज्नी स्टार को भुगतान की जाने वाली किस्त सोनी समूह के जील में विलय के साथ 1.5 अरब डॉलर के निवेश का हिस्सा थी।

सोनी कॉरपोरेशन ने पिछले दिनों 10 अरब डॉलर के विलय समझौते को समाप्त करने की घोषणा की। साथ ही शर्तों के उल्लंघन के लिए नौ करोड़ डॉलर की मांग के साथ मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की है। जील और सोनी के बीच विलय समझौते के अनुसार जापान की कंपनी को विलय की गई इकाई में 1.575 अरब डॉलर का निवेश करना था। इस निवेश के साथ विलय के बाद अस्तित्व में आने वाली कंपनी में उसकी बहुसंख्यक हिस्सेदारी होती। इस मामले में फिलहाल जील या डिज्नी स्टार की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है। डिज्नी स्टार ने भारतीय बाजार के लिए 2024 से 2027 तक चार वर्षों के लिए सभी आईसीसी आयोजनों के प्रसारण अधिकार वैश्विक संचालन निकाय से प्राप्त किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल के स्टार खिलाड़ी को बाहर रखने पर गहराया विवाद

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग से स्टार खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन की वजह से बाहर रखने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। खराब फॉर्म से जूझ रहे उसके सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आयुष बडोनी को कद्दावर अधिकारियों के कहने पर टीम होटल में ही रूकने को कहा गया। वे इस 'आईपीएल स्टार' को सबक सिखाना चाहते थे। इस सत्र में अब तक पांच पारियों में से तीन बार दिल्ली की टीम 200 रन भी पार नहीं कर सकी। सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 49 रन रहा जो पिछले मैच में वैभव कांडपाल ने बनाया। मैच में पहले दिन यश ढुल ने 47 रन बनाए। पहले दिन का खेल खत्म होने पर उत्तराखंड के चार विकेट 98 रन पर गिर चुके थे। नवदीप सैनी ने तीन विकेट लिए। डीडीसीए के सीनियर अधिकारी ने बताया, क्षितिज को खिलाने और बडोनी को 15 से बाहर रखने का दबाव था ताकि उस बीसीसीआई से मैच फीस भी नहीं मिल सके। 15 खिलाड़ियों को ही मैच फीस मिलती है। चूंकि उसे खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र में जाने की अनुमति नहीं थी, तब उस होटल में ही रखा गया। जब वह वीआईपी दीर्घा से मैच देख सकते थे, तब उन्हें मैदान में क्यों नहीं लाया गया, यह पूछने पर अधिकारी ने कहा, टीम मैनेजर को उसके खाने का अलग से इंतजाम करना पड़ता क्योंकि बीसीसीआई इसके पैसे नहीं देता। वह नेट पर भी नहीं जा सकता था क्योंकि पंजाब सीए का शिविर चल रहा था।

रिदम, उज्जवल ने मिश्रित टीम पिस्टल स्वर्ण जीता

नई दिल्ली,

भारत ने मिस्त्र के काहिरा में अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में अपना पहला स्वर्ण जीता, जब रिदम सांगवान और उज्जवल ने मिलकर अर्मेनियाई जोड़ी एल्मिरा करापेटियन-बेनिक खलघटयान को शनिवार को मिस्त्र अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक सिटी शूटिंग रेंज में प्रतियोगिता के दूसरे दिन 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के स्वर्ण पदक मैच में 17-7 से हरा दिया। इससे पहले, अर्जुन बाबुता और सोनम उत्तम मस्कर ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, क्योंकि भारत ने दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया। अनुराधा देवी ने शुक्रवार शाम महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक के साथ टीम का खाता खोला था। रिदम, जिन्होंने काहिरा में लगातार दूसरा विश्व कप मिश्रित टीम स्वर्ण जीता, और उज्जवल 580 के कुल स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में अर्मेनियाई जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। अर्मेनियाई जोड़ी एक अंक आगे थी। हालाँकि, भारतीय फ़ाइनल में बहुत बेहतर साबित हुए, बहुत तेज़ी से 7-1 से आगे हो गए क्योंकि बेनिक का फ़ाइनल बहुत ही ख़राब रहा। जब स्कोर 11-7 था तब अर्मेनियाई लोग सबसे करीब थे, लेकिन बाद के चरणों में रिदम में तेजी आई और चारों ओर कम स्कोर के बावजूद, भारतीय अंत में 17-7 से आगे रहे। एयर राइफल मिश्रित टीम में, अर्जुन और सोनम ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था, उन्होंने डीन बेल और सियोनैड मैकिंटोश की ब्रिटिश जोड़ी को एक अंक से पछाड़ दिया था, लेकिन फिर दौड़ की शुरुआत में 16 अंकों के फाइनल में 3-9 हो गया। जल्द ही स्कोर 6-12 हो गया, क्योंकि भारतीय जो कुछ भी ब्रिटिश जोड़ी पर फेंकते थे, वे उसी रूप में वापस आते थे। लेकिन जब डीन ने घबराहट और अनुभवहीनता दिखाई तो अर्जुन और सोनम ने संयम बनाए रखा और जल्द ही स्कोर 14-14 हो गया। मैच प्वाइंट पर, मैकिंटोश ने अपना क्लास दिखाया और 10.9 का स्कोर किया और भारतीयों के ठोस 10 के बावजूद, ब्रिटिश जोड़ी ने स्वर्ण पदक छीन लिया। हालाँकि, कोई भी भारतीय निशानेबाज शॉटगन रेंज में ट्रैप शूटिंग के फाइनल में जगह बनाने में सक्षम नहीं था। जोरावर संधू 118 के स्कोर के साथ पुरुष ट्रैप में 12वें स्थान पर रहे, जबकि भवनीश मेंदीरत्ता (114) और पृथ्वीराज टोंडिमान (112) और पीछे रहे। महिलाओं के ट्रैप में राजेश्वरी कुमारी 110 के स्कोर के साथ 13वें स्थान पर रहीं जबकि मनीषा कीर (109) और भाव्या त्रिपाठी (106) क्रमशः 15वें और 18वें स्थान पर रहीं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

केप टाउन ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अपना अजेय क्रम जारी रख मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 की सनसनीखेज जीत दर्ज की। मैच में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (2), अभिषेक (13) और सुमित (30) ने टीम की जीत तय की। मैच की शुरुआत भारत को शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिलने से हुई और कप्तान हरमनप्रीत ने दूसरे मिनट में नेट के पीछे से एक शक्तिशाली ड्रैग फ्लिक मारकर भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी। पहले क्वार्टर में कुछ ही मिनट शेष थे, अभिषेक (13) ने आक्रामक कदम का भरपूर फायदा उठाया और दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर को छकाकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे क्वार्टर में दक्षिण अफ्रीका के कई हमलों के बावजूद भारत की रक्षापंक्ति ने संयम बनाए रखा और क्लीनशीट हासिल करने के अपने दृढ़ संकल्प पर कायम रही। मध्यांतर के तुरंत बाद सुमित (30) एक और फील्ड गोल करने में सफल रहे और भारत ने 3-0 की बढ़त ले ली। मध्यांतर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने गोल करने में तेजी दिखानी शुरू कर दी, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने किले पर पकड़ बनाए रखी। तीसरे क्वार्टर में दोनों छोर पर काफी गतिविधियां देखने को मिलीं, लेकिन दोनों में से कोई भी टीम नेट हासिल करने में सफल नहीं हो सकी।

अगले साल भारत में होंगे 2 विश्व कप, आईसीसी ने किया खुलासा

नई दिल्ली ।

भारत में अगले साल दो विश्व कप होंगे। आईसीसी ने इस बात का खुलासा करके क्रिकेट प्रे मियों को खुश कर दिया है। हालांकि पिछले साल खेले गए आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली भारतीय टीम की हार ने क्रिकेट फैंस का दिल तोड़ दिया था। हर किसी को इसी बात का अफसोस था कि आईसीसी ट्रॉफी को अपने घर पर जीतने का एक बेहतरीन मौका हाथ से निकल गया। लेकिन अब भारतीय फैंस के लिए आईसीसी की तरफ से अच्छी खबर सामने आई है। भारत में अगले साल एक नहीं बल्कि दो विश्व कप का आयोजन होगा। बता दें कि आईसीसी के अगले चार साल के इवेंट्स की लिस्ट सामने आ गई है। इसमें साल 2024 से 2027 के बीच होने वाले सभी आईसीसी इवेंट्स का शेड्यूल सामने आया है जिसमें भारत के पास दो आईसीसी विश्व कप की मेजबानी है। वहीं इंग्लैंड को ही आईसीसी ने अगले दो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का आयोजन करने की जिम्मेदारी दे दी है। वहीं पाकिस्तान को अगले साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी है। आईसीसी के अगले चार साल के इवेंट्स लिस्ट पर ध्यान दें तो भारत के पास महिला विश्व कप की मेजबानी है। जानकारी के अनुसार अक्टूबर-नवंबर के बीच इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 2026 में श्रीलंका के साथ मिलकर भारत पुरुष टी20 विश्व कप की मेबजानी भी करेगा। बताया जा रहा है कि अक्टूबर-नवंबर में ही इस टूर्नामेंट का भी आयोजन किया जाना निर्धारित है।

फाइव्स विश्व कप के फाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

मस्कट।

भारतीय महिला टीम फाइव्स विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने यहां दक्षिण अफ्रीका पर 6-3 की रोमांचक जीत दर्ज करते हुए एफआईएच हॉकी फाइव्स महिला विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। बता दें कि फाइनल में रविवार को भारत का सामना नीदरलैंड से होगा। अक्षता अबासो ढेकाले (सातवें मिनट), मारियाना कुजूर (11वें), मुमताज खान (21वें), रुतुजा दादासो पिसल (23वें), ज्योति छत्री (25वें) और अजीमा कुजूर (26वें) ने शुक्रवार रात हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए गोल दागे। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेशॉन डी ला रे (5वें), कप्तान टोनी मार्क्स (8वें) और डिर्की चेम्बरलेन (29वें) ने गोल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहले हाफ में काफी डिफेंसिव शुरूआत की लेकिन गोल करने का पहला मौका भी उसे ही मिला। इधर भारतीय गोलकीपर रजनी इतिमारपू काफी सतर्क थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका की डी ला रे के करीबी रिवर्स शार्ट से टीम ने शुरूआत में बढ़त बना ली। लेकिन यह ज्यादा देर नहीं रह सकी और अक्षता दक्षिण अफ्रीका की गोलकीपर ग्रेस कोचराने को छकाते हुए भारत को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

टीम की कप्तान टोनी ने गोल कर दक्षिण अफ्रीका को फिर बढ़त दिला दी लेकिन मारियाना के गोल से भारत फिर बराबरी पर था। दूसरे हाफ में दक्षिण अफ्रीका ने तेज शुरूआत की जिससे भारतीय गोलकीपर फिर से काफी सतर्क हो गयीं। मुमताज के गोल से भारत ने पहली बार मैच में बढ़त बनाई। फिर रूतुजा ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गोल किया। दक्षिण अफ्रीका की कोशिशें जारी रहीं लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। हालों कि खेल खत्म होने में 5 मिनट पहले ज्योति ने दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर को कोई मौका नहीं देते हुए गोल कर दिया। अजीमा ने गोल कर स्कोर 6-2 किया। जबे कि हूटर से एक मिनट पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए चेम्बरलेन ने सांत्वना गोल किया।

संक्षिप्त समाचार

मेदवेदेव ने ज्वेरेव को हराया, तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

मेलबर्न। दानिल मेदवेदेव ने नाटकीय वापसी कर अलेक्जेंडर ज्वेरेव को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में हराकर तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। मेलबर्न पार्क में अपनी 27वीं मैच जीत के साथ, मेदवेदेव ओपन युग में तीन या अधिक मौकों पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले 13वें व्यक्ति हैं, 2021 और 2022 में हार गए थे, जब उन्होंने राफेल नडाल से दो सेटों से बढ़त बनाई थी। शुरुआत में स्क्रिप्ट ने ज्वेरेव का पक्ष लिया, जिन्होंने पहले सेट में डबल ब्रेक के साथ 4-1 की बढ़त बना ली, जिससे कहानी तय होती दिख रही थी। हालाँकि, भीषण मैचों की शारीरिक मार से परेशान मेदवेदेव ने जर्मन प्रभुत्व के आगे झुकने से इंकार किया। जैसे ही दूसरा सेट शुरू हुआ, ज्वेरेव ने अपनी बढ़त जारी रखी, 2-2 पर ब्रेक हासिल किया और 4-2 से आगे बढ़ने के लिए अपना फायदा मजबूत किया। अपने लक्ष्य में अडिग ज्वेरेव न क्लिनिकल परिशुद्धता के साथ सेट को बंद कर दिया, जिससे मेदवेदेव को चढ़ने के लिए एक पहाड़ छोड़ना पड़ा। बिना किसी डर के, रूसी ने सेट के अंत में एक रणनीतिक बाथरूम ब्रेक लिया, और एक नए जोश के साथ उभरे जिसने शारीरिक नुकसान को झुठला दिया। तीसरा सेट एक रोमांचक लड़ाई के रूप में सामने आया, जिसमें दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे से शॉट दर शॉट मैच कर रहे थे। सेट का समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जो समानता पर आधारित लड़ाई का एक उपयुक्त निष्कर्ष था। मेदवेदेव, 3-1 से हार के कगार पर लग रहे थे, उन्होंने उस क्षण का फायदा उठाया जब ज्वेरेव के खेल में दरारें दिखाई दीं। अटूट फोकस के साथ, उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की त्रुटियों का फायदा उठाया और सभी बाधाओं के बावजूद चौथे सेट में जीत हासिल की।

शुभमन गिल के आऊट होने के कारण गावस्कर ने की खिंचाई

हैदराबाद। भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ के शुरुआती मैच में आऊट होने को लेकर शुभमन गिल को सुनील गावस्कर की तीखी आलोचना का सहना पड़ी है। इसके साथ ही गावस्कर ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले टेस्ट के दौरान गिल के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की है। गौरतलब है कि शुभमन गिल ने जायसवाल के साथ मिलकर सधी हुई शुरूआत तो की थी, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता उन्होंने सतर्कता खो दी और उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। दरअसल इंग्लैंड के हार्टले ने गिल के पैड पर धीमी गेंद फेंकी, इस पर गिल ने छक्का मारने की कोशिश की और वो बुरी तरह चूक गए। मिडविकेट पर मौजूद फील्डर ने आसान गेंद को पकड़ लिया। यहां गावस्कर ने कमेंट्री करते हुए निराशा व्यक्त की और गिल के शॉट चयन के पीछे के तर्क पर सवाल भी उठाए। उन्होंने कहा कि वह गिल उस शॉट से क्या प्रयास कर रहा था? अगर उसका लक्ष्य इसे हवा में मारना था तो यह समझ में आता। बल्कि यह एक ख़राब तरीके से खेला गया ऑन-ड्राइव था। इस तरह गावस्कर ने शुभमन के आऊट होने पर ही सवाल खडे कर उनकी खिंचाई कर दी। जहां तक मुकाबले की बात है तो हैदराबाद के मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन टीम इंडिया मजबूत स्थिति में है।

अनिल कुंबले ने भी बताई शुभमन गिल की बल्लेबाजी में बड़ी खामी

हैदराबाद।

पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने शुभमन गिल की बल्लेबाजी तकनीक में बड़ी खामी बताई है। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में चल रहे पहले टेस्ट के दौरान युवा प्लेयर शुभमन गिल की बल्लेबाजी को लेकर बात हुई है। इससे पहले पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर भी शुभमन की पहली पारी में खेले गए शॉट को लेकर कमी बता चुके हैं। शुभमन टेस्ट में अपनी फॉर्म को लेकर निशाने पर हैं। उन्होंने मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी शतक लगाया था। इसके बाद वह 10 पारियों में एक भी अर्धशतक लगा नहीं पाए हैं। बहरहाल दूसरे दिन लंच ब्रेक के दौरान बोलते हुए कुंबले ने गिल को स्पिनरों का सामना करते समय स्ट्राइक रोटेट करने की अपनी क्षमता बढ़ाने को कहा। वहीं अे निल कुंबले ने चेतेश्वर पुजारा और राहुल द्रविड़ के दृष्टिकोण के साथ समानताएं बताईं, जो लगातार इस नंबर पर खेले हैं। उन्होंने गिल से स्पिन के खिलाफ खेलते समय नरम रुख अपनाने का आग्रह किया। कुंबले बोले कि इस नंबर पर दबाव बढ़ता है। स्ट्राइक रोटेट करने में संघर्ष करना पड़ता है लेकिन इसे सीखना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

अनिल कुंबले ने कहा कि हमारे बीच पुजारा और द्रविड़ है जोकि इस नंबर पर फिट रहे हैं। उन्हें स्ट्राइक रोटेट करने में महारत हासिल करनी होगी। मुलायम हाथों से स्पिन खेलना और कलाई का उपयोग करना जरूरी है। जो खेल की जरूरत है।

कल, जब वह बल्लेबाजी के लिए आए थे तो उन्होंने अपना समय लिया था। लेकिन टिकने के बाद उन्हें फिर से चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह टर्न के खिलाफ रिलीज़ शॉट खेलने के प्रयास में फंस गए। मेरी राय में यह एक आदर्श शॉट नहीं था। इससे पहले गावस्कर ने भी कमेंट्री में निराशा व्यक्त करते हुए गिल के शॉट चयन के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया था।

केएल राहुल ने बल्लेबाजी की चुनौतियों को किया साझा

हैदराबाद। हैदराबाद में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन टीम इंडिया ने अपनी स्थिति मजबूत करने में सफलता हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने 175 रन की लीड बनाई हुई है। क्रीज पर रविंद्र जडेजा के साथ अक्षर पटेल अपना हुनर दिखा रहे हैं। जडेजा का शतक बनने के करीब पहुंच चुका है। गौरतलब है कि शुक्रवार को भारतीय टीम ने मजबूत शुरूआत की थी। केएल राहुल ने 123 गेंदों पर 86 रन बनाकर भारतीय टीम को 300 रन के स्कोर के करीब पहुंचा दिया इसके बाद जडेजा ने ताबड़तोड़ हिटिंग कर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। मैच के दौरान शतक से चूके केएल राहुल का कहना था कि दक्षिण अफ्रीका में बनाए 100 रन ने मुझे कुछ आत्मविश्वास दिला दिया। चोट लगने के 6 से 7 महीने के बाद क्रिकेट खेलने उतरा हूं। ऐसे में जब मैं बल्लेबाजी करने के लिए उतरा तो लक्ष्य सकारात्मक रहना था। दक्षिण अफ्रीका के पिच पर रहने से बहुत अलग - थोड़ा टर्न, गेंद पुरानी होने के साथ यह धीमी और धीमी होती चली गई।

तन्मय ने सबसे तेज तिहरा शतक ठोककर तोड़ दिए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

भारतीय बल्लेबाजों का दुनियाभर में सिक्का चलता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बैटर कोई ना कोई रिकॉर्ड अपने नाम करते रहते हैं। उनके पीछे से अब युवाओं की फौज तैयार हो रही है, जो इंटरनेशनल क्रिकेट में धमाका करने को बेताब दिख रही है। मौजूदा रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में शुक्रवार 26 जनवरी को ऐसी ही पारी देखने को मिली जिसने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ डाला। तन्मय अग्रवाल दुनिया में सबसे तेज तिहरा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं। छक्कों चौकों की बौछार करते हुए तन्मय ने कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। रणजी ट्रॉफी में 26 जनवरी 2024 खेला गया अरुणाचल प्रदेश और हैदराबाद के बीच का मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। एक दिन के खेल में ही तन्मय ने धुंआधार अंदाज में गेंदबाजों की धुनाई कर ट्रिपल सेंचुरी जमा दी। इस धमाकेदार तिहरा शतक को जमाकर तन्मय ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। महज 147 गेंद पर 21 छक्के और 33 चौके की मदद से इस बैटर ने 323 रन ठोक दिए। 28 साल के तन्मय का जन्म आंध्र प्रदेश में तीन मई 1995 को हुआ था। क्रिकेट की तरफ छोटी उम्र में ही रुझान पैदा होने पर माता पिता ने उन्हें खेल की ओर बढ़ाया। तन्मय की धमाकेदार खेल की नतीजा था कि उन्होंने हैदराबाद अंडर-14 टीम में जगह बनाई। अंडर-16, अंडर-19, अंडर-22 और अंडर-25 में टीम में वह जगह बनाने में कामयाब हुए। साल 2014 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में भी तन्मय ने जगह बनाई। 56 फर्स्ट क्लास मैचों में 3500 से अधिक रन बनाए हैं। तन्मय ने साउथ अफ्रीका के मार्को माराइस 191 रन पर बनाए तिहरे शतक के रिकॉर्ड को 147 रन पर बनाकर तोड़ डाला। इस कारनामे को वेस्टइंडीज के महान बैटर विव रिचर्ड्स ने 244 गेंद पर अंजाम दिया था। एक दिन में 300 रन बनाकर तन्मय ने वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया। 2009 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबॉर्न टेस्ट में एक दिन में 284 रन बनाए गए थे।

जानिक सिनर से मिली हार पर जोकोविच ने स्वीकारा उनका प्रदर्शन खराब रहा

मेलबर्न ।

मेलबर्न में 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के सेमीफाइनल में इटालियन खिलाड़ी जानिक सिनर से मिली हार को अब तक के सबसे खराब ग्रैंड स्लैम मैचों में से एक करार दिया है। सिनर, 22 साल की उम्र में 2008 के बाद से मेलबर्न पार्क में फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं, उन्होंने रॉड लेवर एरेना में शानदार जीत दर्ज की, जिससे जोकोविच का मेलबर्न में 33- मैच जीतने का सिलसिला टूट गया और 2018 के बाद से उन्हें अपनी पहली ऑस्ट्रेलियन ओपन हार मिली। जोकोविच ने खुद पर युवा दावेदार को हावी पाया और उन्हें मात झेलनी पड़ी। सर्बियाई उस्ताद, जो कोर्ट पर अपने प्रभुत्व के लिए जाना जाता है, स्पष्ट रूप से निराश था क्योंकि वह अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा था और उसने अस्वाभाविक 54 बेजां भूलें कीं। जोकोविच ने अपने प्रदर्शन की पूरी ईमानदारी से आलोचना कर कहा, मैं अपने स्तर से बुरी तरह हैरान था। अपनी सामान्य प्रतिभा और उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन के फीके प्रदर्शन के बीच स्पष्ट अंतर को स्वीकार करते हुए, उन्होंने स्वीकार किया, पहले दो सेटों में मैं बहुत कुछ सही नहीं कर रहा था। यह मेरे द्वारा खेले गए अब तक के सबसे खराब ग्रैंड स्लैम मैचों में से एक था, कम से कम मुझे यहीं याद है। (यह) इस तरह से खेलना बहुत सुखद एहसास नहीं था। खेल के हर पहलू में मुझसे बेहतर प्रदर्शन करने का श्रेय उन्हें जाता है। मैंने कोशिश की, मैंने संघर्ष किया। मैं तीसरे सेट में स्तर को थोड़ा ऊपर उठाने में कामयाब रहा, एक मैच प्वाइंट बचाया और एक अच्छा टाई-ब्रेक खेला। जोकोविच ने कहा, मेरे टेनिस का प्रदर्शन स्तर वास्तव में अच्छा नहीं था। जोकोविच ने स्वीकार किया, पूरे टूर्नामेंट में मैं वास्तव में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी नहीं खेल पाया। हो सकता है कि (एड्रियन) मन्नारिनो के खिलाफ, मैं बहुत अच्छा था, लेकिन ज्यादातर मैचों में मैं उसके बराबर नहीं खेल रहा था [तुलना में] जैसा कि मैं यहां ऑस्ट्रेलिया में आम तौर पर खेलता हूं। इससे मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि मैंने सोचा था कि पहले दो सेटों में यह

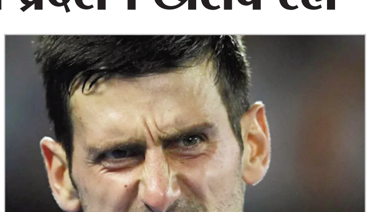

उतना बुरा नहीं होगा। लेकिन दूसरी ओर, इस टूर्नामेंट के दौरान मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं कोर्ट पर हूं। करारी हार के बावजूद, जोकोविच ने उम्र की किसी भी धारणा को तेजी से दूर कर दिया। 36 साल की उम्र में, वह ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक सहित भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए उच्च उम्मीदें व्यक्त करते हुए दृढ़ बने रहे।

रहाणे को दोस्त ने ही दे दिया गच्चा....जारी हैं खराब प्रदर्शन

मुंबई । मुंबई और उत्तर प्रदेश के बीच रणजी ट्रॉफी 2024 का मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। यूपी के कप्तान नीतीश राणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की यूपी की टीम ने मुंबई को पहले दिन ही ढेर कर दिया। पहले दिन कप्तान अजिंक्य रहाणे सहित उनके टॉप के बल्लेबाज फ्लॉप रहे। साल 2024 रहाणे के लिए बिलकुल सही है। पहले ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। वहीं रणजी ट्रॉफी की पिछली चार पारियों में वह सिर्फ 24 रन ही बना सके हैं। मुंबई के कप्तान रहाणे रणजी ट्रॉफी के लगातार तीसरे मैच में रन बनाने को तरस गए। आंध्र के खिलाफ मुकाबले में रहाणे पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले लौटे थे। वहीं केरल के खिलाफ पहली पारी में शून्य और दूसरी पारी में 16 रन बनाकर आउट हुए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रहाणे 29 गेंद में एक चौके की मदद से सिर्फ 8 रन ही बना सके। उन्हें अंकित राजपूत ने शिवम शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी के बाद ही भुवनेश्वर कुमार लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। बंगाल के खिलाफ मुकाबले में भुवी ने 41 रन देकर आठ विकेट झटके।

बच्चों का पसंदीदा खिलौना तकिया

बच्चों का बचपन एक ऐसा समय होता है जिसमें मां-बाप को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती। किसी भी मां के लिए सबसे कठिन काम होता है बच्चों को सुलाना। ऐसे में अगर बच्चों को उनका सबसे पसंदीदा खिलौना तकिया दे दिया जाए तो आपका आधा काम वैसे ही हो जाता है। क्योंकि तकिये के साथ खेलते-खेलते नींद के आगोश में चले जाना कोई बड़ी बात नहीं। चैन की नींद तो किसी को भी आ जाए, उसकी सारी थकान मिट जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप उनकी पसंद-नापसंद को जानें क्योंकि यदि उनके रूम की सजावट में रंगों एवं पेंटिंग्स का ध्यान रखा गया है तो उनके तकिए और बैडशीट में भी बेबी प्रिंट एवं कलर्स होना बहुत जरूरी है।

सहारा देकर बैठाने को तकिया

बाजार में इस प्रकार के तकिए भी उपलब्ध हैं जिनके दोनों ओर बाजू लगे हों तथा बैठना सीख रहे बच्चों को उसके साथ बैठा कर साइड बाजू का सहारा दिया जाए या फिर उन्हें बंद कर दिया जाए ताकि वे बैठे-बैठे आगे को लुढ़क न पाएं।

नवजात शिशुओं के लिए तकिया

वे दिन गए जब दादी-नानी नवजात शिशु के लिए स्वयं एक खास तकिया बनाती थीं। आजकल तो नन्हे बच्चों के लिए टैडी और फ्लावर वाले तकिए से लेकर उसके सिर को सहारा देने तक के लिए तकिए बाजार में उपलब्ध हैं। इससे उसका सिर इधर-उधर नहीं होता और एक स्थान पर टिका रहता है।

विभिन्न रंगो में उपलब्ध

टैडी, लॉयन, मगरमच्छ, डॉग, रैबिट, फिश एवं फ्लोरल शेप में ये तकिए सॉफ्ट टॉयज के अलावा प्रिंट्स, इंब्रायडरी एवं पैच वर्क में भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा इनके ब्राइट कलर्स भी बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कई वैरायटी में मौजूद

इस बिजनैस से जुड़े लोगों की यदि मानें तो बच्चों के तकिए भी विभिन्न प्रकार के मैटीरियल से बने होते हैं जैसे-

फॉम का तकिया

फॉम के बारीक-बारीक टुकड़ों से भी तकिया बनता है। इस प्रकार के तकिए भी बाजार में बहुत बिकते हैं।

रेक्रान के तकिए

बच्चों के तकियों में सबसे ज्यादा रेक्रान के तकिए बिकते हैं। यह सबसे कोमल व नरम तकिया होता है। साथ ही वजन में बहुत हल्का व आरामदायक होने के कारण यह सबसे ज्यादा बिकता है।

काली रूई के तकिए

काली रूई वेस्ट मैटीरियल से बनती है। वेस्ट मैटीरियल को मशीनों में कई प्रक्रियाओं से गुजारकर सॉफ्ट बनाया जाता है। इस रूई से तकिया व गादियां दोनों बनाए जाते हैं।

बच्चों के मूड को फ्रेश करता है कम्प्यूटर गेम

अक्सर पैरेंट्स को यह शिकायत होती है कि उनके बच्चे कम्प्यूटर गेम में अपना काफी समय बर्बाद करते हैं। पर क्या इसे समय की बर्बादी कहना सही है? पैरेंट्स तो यही कहेंगे कि हां! इन गेम्स का कोई लाभ नहीं बल्कि ये दिमाग पर बुरा असर डालते हैं लेकिन क्या यह सोच सही है?

कम्प्यूटर गेम खेलने से बच्चों में सीखने की क्षमता बढ़ती है। इससे हौसले बढ़ते हैं और उनमें नई-नई चीजों के प्रति दिलचस्पी जगती है। यह सच है कि गेम की दुनिया में वर्ल्ड ऑफ वार क्राफ्ट, एक्स बॉक्सेज, प्ले स्टेशन, विस और रन स्केप जैसे गेम्स को मेंटल डिसऑर्डर पैदा करने वाला पाया गया है। इसी तरह कुछ गेम बच्चों में हिंसक और गुस्सैल प्रवृत्ति को विकसित करते हैं लेकिन इधर हुए कई शोधों का आकलन है कि कुछ चुनिंदा गेम्स को छोड़ दें तो यह मानना सही होगा कि इनसे पर्सनालिटी डेवलपमेंट में काफी मदद मिलती है। इससे बच्चों का न केवल भावनात्मक विकास होता है बल्कि उनमें मैनेजमेंट स्किल से लेकर टीम वर्क की भावना तक विकसित होती है।

यह स्किल उन्हें तमाम समस्याओं से निपटने में मदद करती है। मूड भी फ्रेश ही रखता है। इनके जरिये बोरियत और तनाव से भी बचा जा सकता है। वहीं इससे हौसले बढ़ते हैं और उनमें नई-नई चीजों के प्रति दिलचस्पी जगती है। साथ ही, उनमें आजादी की भावना पैदा होती है और वे समाज से अपना जुड़ाव भी गहराई से महसूस करते हैं।

बाल कहानी ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड में हिस्सा ले रहा था।

दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी।

माँ, दादीजी कहाँ हैं? उसने पूछा।

रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।

विक्की एकाएक उदास हो गया।

उसकी माँ ने पूछा, क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।

विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, हाँ, मैं आप के साथ चलूँगा। वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया।

स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।

आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठारेतापूर्वक कहा, मैंने परसों क्या कहा था?

यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए, गोलमटोल उषा ने जवाब दिया।

तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे? उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा।

फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।

इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

क्या बात है?

महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा। कहते हुए विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी।

सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।

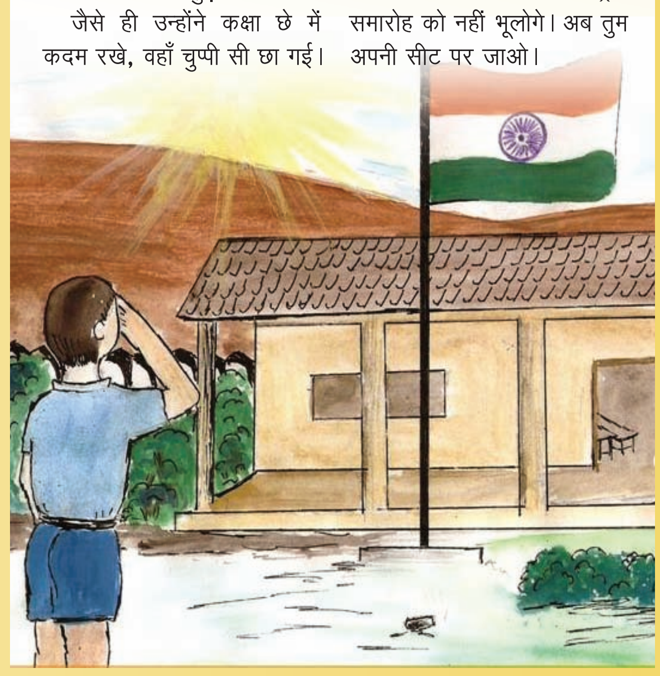

अकबर को बीरबल का जवाब

एक दिन बादशाह अकबर ने ऐलान किया कि जो भी मेरे सवालों का सही जवाब उदाहरण सहित देगा, उसे भारी इनाम दिया जाएगा। सवाल कुछ इस प्रकार से थे-

ऐसा क्या है जो आज भी है और कल भी रहेगा? ऐसा क्या है जो आज भी नहीं है और कल भी नहीं होगा? ऐसा क्या है जो आज तो है लेकिन कल नहीं होगा?

किसी को भी चतुराई भरे इन तीनों सवालों का जवाब नहीं सूझ रहा था। तभी बीरबल बोला, 'हुजूर! आपके सवालों का जवाब मैं दे सकता हूं, लेकिन इसके लिए आपको मेरे साथ शहर का दौरा करना होगा। तभी आपके सवाल सही ढंग से हल हो पाएंगे।'

अकबर और बीरबल ने वेश बदला और सूफियों का बाना पहनकर निकल पड़े। कुछ ही देर बाद वे बाजार में खड़े थे। फिर दोनों एक दुकान में घुस गए।

बीरबल ने दुकानदार से कहा, 'हमें बच्चों की पढ़ाई के लिए मदरसा बनाना है, तुम हमें इसके लिए हजार रुपये दे दो।' जब दुकानदार ने अपने मुनीम से कहा कि इन्हें एक हजार रुपये दे दो तो बीरबल बोला, जब मैं तुमसे रुपये ले रहा हूंगा तो तुम्हारे सिर पर जूता मारूंगा। हर एक रुपये के पीछे एक जूता पड़ेगा। बोलो, तैयार हो?

यह सुनते ही दुकानदार के नौकर का पारा चढ़ गया और वह बीरबल से दो-दो हाथ करने के लिए आगे बढ़ा। लेकिन दुकानदार ने नौकर को शांत करते हुए कहा, 'मैं तैयार हूं लेकिन मेरी एक शर्त है। मुझे विश्वास दिलाना होगा कि मेरा पैसा इसी नेक काम पर खर्च होगा।

ऐसा कहते हुए दुकानदार ने सिर झुका दिया और बीरबल से बोला कि जूता मारना शुरू करें। तब बीरबल और अकबर बिना कुछ कहे-सुने दुकान से बाहर निकल आए। दोनों चुपचाप चले जा रहे थे तभी बीरबल ने मौन तोड़ा, 'बंदापरवर! दुकान में जो कुछ हुआ, उसका मतलब है कि दुकानदार के पास आज पैसा है और उस पैसे को नेक कार्यों में लगाने की नीयत भी, जो उसे भविष्य में नाम देगी।

इसका एक मतलब यह भी है कि अपने नेक कार्यों से वह जन्नत में अपनी जगह पक्की कर लेगा। आप इसे यूं भी कह सकते हैं कि जो कुछ उसके पास आज है, कल भी उसके साथ रहेगा। यह आपके पहले सवाल का जवाब है।

फिर वे चलते हुए एक भिखारी के पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि एक आदमी उसे कुछ खाने को दे रहा है और वह खाने का सामान उस भिखारी की जरूरत से कहीं ज्यादा है। तब बीरबल उस भिखारी से बोला, 'हम भूखे हैं, कुछ हमें भी दे दो खाने को।

यह सुनकर भिखारी बरस पड़ा, 'भागो यहां से। जाने कहां से आ जाते हैं मांगने।'

तब बीरबल बादशाह से बोला, 'यह रहा हुजूर आपके दूसरे सवाल का जवाब। यह भिखारी ईश्वर को खुश करना नहीं जानता। इसका मतलब यह है कि जो कुछ इसके पास आज है, वह कल नहीं रहेगा।'

दोनों फिर आगे बढ़ गए। उन्होंने देखा कि एक तपस्वी पेड़ के नीचे तपस्या कर रहा है। बीरबल ने पास जाकर उसके सामने कुछ पैसे रखे। तब वह तपस्वी बोला, 'इसे हटाओ यहां से। मेरे लिए यह बेईमानी से प्राप्त पैसा है। ऐसा पैसा मुझे नहीं चाहिए।'

अब बीरबल बोला, 'हुजूर! इसका मतलब यह हुआ कि अभी तो नहीं है लेकिन बाद में हो सकता है। आज यह तपस्वी सभी सुखों को नकार रहा है। लेकिन कल यही सब सुख इसके पास होंगे।'

और हुजूर! चौथी मिसाल आप खुद हैं। पिछले जन्म में आपने शुभ कर्म किए थे जो यह जीवन आप शानो-शौकत के साथ बिता रहे हैं, किसी चीज की कोई कमी नहीं। यदि आपने इसी तरह ईमानदारी और न्यायप्रियता से राज करना जारी रखा तो कोई कारण नहीं कि यह सबकुछ कल भी आपके पास न हो। लेकिन यह न भूलें कि यदि आप राह भटक गए तो कुछ साथ नहीं रहेगा।'

अपने सवालों के बुद्धिमत्तापूर्ण चतुराई भरे जवाब सुनकर बादशाह अकबर बेहद खुश हुए।

नाइट्रोजन से सजा-ए-मौत का विरोध

कनाडा। मजदूरों को ले जा रहा एक छोटा विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद कनाडा के सुदूर उत्तर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8 बजकर 50 मिनट पर हुआ। र सिम्पसन ने दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। सिम्पसन ने कहा, भारी मन से मैं उन लोगों के परिवारों, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के मुख्य कोरोनर गर्थ एगेनबर्गर ने पुष्टि की कि मौतें हुई हैं, लेकिन कहा कि अधिकारी तब तक कोई और जानकारी नहीं देंगे जब तक कि परिजनों को सूचित नहीं किया जाता।

मिस्टर बीस्ट ने सिर्फ एक पोस्ट से कमाए थे 2.79 करोड़

-परोपकार का जुनून ऐसा कि अनजान लोगों में बांट दिए 20-20 लाख

न्यूयार्क। दुनिया के सबसे अमीर यू-ट्यूबर मिस्टर बीस्ट के परोपकार के चर्चे हर जगह हो रहे हैं। उन्होंने सिर्फ एक पोस्ट से 2.79 करोड़ की कमाई की और 10 अंजान लोगों को 20-20 लाख रुपये बांट दिए। बता दें कि उन्होंने कुछ महीनों पहले एक वेटर को लग्जरी कार गिफ्ट में दे दी थी। अब खबर आ रही है कि उन्होंने 10 अनजान लोगों को 25-25 हजार डॉलर यानी लगभग 20-20 लाख रुपये बांट दिए हैं। ये पैसे उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कमाए थे। आप जानकर हैरान होंगे कि महज एक वीडियो से उन्होंने 2.79 करोड़ रुपये कमा लिए थे। जानकारी के अनुसार अमेरिका के रहने वाले मिस्टर बीस्ट ने कुछ दिनों पहले एक्स पर एक पुराना वीडियो पोस्ट किया था, जो तेजी से वायरल हो गया। 20 करोड़ से ज्यादा लोगों ने उसे देखा, और इससे बीस्ट को करोड़ों रुपये की कमाई हुई। बाद में उन्होंने एक वीडियो शेयर कर बताया कि हमारे दर्शक मूल रूप से चीन को छोड़कर पूरी दुनिया में हैं, इसलिए मैंने सोचा कि चीन में भी इसे पहुंचाना चाहिए। मैं यह देखने के लिए बहुत उत्सुक हूं कि चीन में लोग मेरे द्वारा बनाए गए वीडियो के बारे में क्या सोचते हैं। यह एक मजेदार सफर होने वाला है। मिस्टर बीस्ट ने चीन के ऑनलाइन वीडियो प्लेटफार्म बिलिबिली पर 22 जनवरी को वीडियो को शेयर करते हुए यह बात कही। हालांकि आज भी उन्होंने एक वीडियो शेयर की है। मिस्टर बीस्ट ने वादा किया कि इससे होने वाली कमाई में से 25-25 हजार डॉलर वे 10 अनजान लोगों को देने वाले हैं, जो उनके फॉलोवर्स होंगे। जो उनके वीडियोज शेयर और लाइक करेंगे। 72 घंटों में भाग्यशाली विजेताओं को पैसे दे दिए जाएंगे। मिस्टर बीस्ट पहले भी इस तरह के चैलेंज अपने फॉलोवर्स को देते आए हैं। इसके बाद उनके पोस्ट को लाइक करने और शेयर करने वालों की बाढ़ आ गई। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह खबर चीनी सोशल मीडिया साइट वीवो पर भी काफी तेजी से फैल गई। कई इंफ्लूएंशर ने भी यह वीडियो शेयर किया और अपने फॉलोवर्स से इसमें हिस्सा लेने को कहा। इस दौरान 35 लाख से ज्यादा बार मिस्टर बीस्ट का यह वीडियो रीपोस्ट किया गया और 21 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले। बाद में पता चला कि उन्होंने पैसे अपने फॉलोवर्स को बांट दिए हैं, लेकिन उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। मिस्टर बीस्ट का असली नाम जिमी डोनाल्डसन है। सिर्फ 25 साल की उम्र में वह दुनिया के सबसे मशहूर यूट्यूबर बन चुके हैं। भारत समेत दुनिया के कई देशों में बच्चों और युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। सिर्फ एक वीडियो से ही वे लाखों कमा लेते हैं, लेकिन बहुत सारा पैसा दान भी करते हैं। यूट्यूब पर उनके मुख्य चैनल 'मिस्टर बीस्ट' 23 करोड़ 40 लाख सब्स्क्राइबर हैं। इसके अलावा 4 और यूट्यूब चैनल चलाते हैं।

इमरान के नेताओं को बड़ी राहत, अब चुनाव में बन सकेंगे प्रत्याशी

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के नेताओं को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राहत दे दी। शीर्ष कोर्ट ने परवेज इलाही और कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं को आठ फरवरी को होने जा रहे आम चुनाव में प्रत्याशी बनने की अनुमति दे दी। तीन सदस्यीय पीठ ने इलाही की अपील पर सुनवाई की। इलाही ने लाहौर हाई कोर्ट और चुनाव ट्रिब्यूनल द्वारा उनकी उम्मीदवारी की अस्वीकृति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष कोर्ट ने पीटीआइ के अन्य नेताओं उमर असलम, ताहिर सादिक, सनाम जावेद और शौकत बसरा को भी आगामी चुनाव में प्रत्याशी बनने की अनुमति दी है। इस बीच पीटीआइ ने शुक्रवार को कहा कि उसकी वेबसाइट को ब्लाक कर दिया गया है।

अदन की खाड़ी में हाउती आतंकियों ने मिसाइल से तेल टैंकर किया ध्वस्त

वाशिंगटन। एक हाउथी एंटी-शिप मिसाइल ने शुक्रवार को अदन की खाड़ी में एक तेल टैंकर को नुकसान पहुंचाया। हालांकि, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी सेना ने इसकी सूचना देते हुए बताया कि अमेरिकी नौसेना का एक जहाज सहायता प्रदान कर रहा है। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मार्शल आइलैंड्स के ध्वज वाले मार्लिन लुआंडा ने एक संकट कॉल जारी की और क्षति की सूचना दी। इसमें कहा गया है कि यूएसएस कार्नी और अन्य गठबंधन जहाज तेल टैंकर को सहायता प्रदान कर रहे थे। अमेरिकी सेना ने कहा कि एक हाउती एंटी-शिप मिसाइल ने अदन की खाड़ी में एक तेल टैंकर को क्षतिग्रस्त कर दिया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी नौसेना का एक जहाज सहायता प्रदान कर रहा है। हाउती का कहना है कि उनके हमले गाजा में इजरायल के हमले के तहत फलस्तीनियों के साथ एकजुटता में हैं। सेंट्रल कमांड ने कहा कि लगभग आठ घंटे बाद, अमेरिकी सेना ने एक हाउती एंटी-शिप मिसाइल को नष्ट कर दिया, जिसका लक्ष्य लाल सागर था। बता दें कि मिसाइल ने क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों और अमेरिकी नौसेना के जहाजों के लिए एक आसन्न खतरा पैदा कर दिया है। बता दें कि पिछले कई हफ्तों से लाल सागर में और उसके आसपास जहाजों पर ईरान-गठबंधन हाउती मिलिशिया के हमलों ने एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को धीमा कर दिया है।

अंग्रेजी के आंगन में भारतीय परंपरा की झलक, गूंजा जय सिया राम, छात्र ने शिक्षक के पैर छुए

लंदन। भारतीय परंपराएं मजबूत और सटीक हैं कि दुनिया के दूसरे देश भी इसे अजमाने लगे है। वहां पैरे छूकर आशीर्वाद लेने का चलन शुरु हुआ तो जय सिया राम की गूंज भी सुनाई देने लगी है। हाल ही में इंग्लैंड के लीसेस्टर यूनिवर्सिटी में हाल ही में हुए दीक्षांत समारोह में एक छात्र ने कुछ ऐसा कर दिया कि सब लोग हैरान रह गए। दरअसल एक छात्र ने हाल ही में एक दीक्षांत समारोह के दौरान एक शिक्षक के पैर छूकर और 'जय सिया राम' कहकर दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार अब इस घटना का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दीक्षांत समारोह की पोशाक पहने छात्र, शिक्षक के पास आया और वह उनके पैर छूने के लिए झुका। बता दें कि पैर छुना एक प्राचीन भारतीय परंपरा है, जो गहरे सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। सोशल मीडिया पर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया 'अपनी जड़ों, संस्कारों और परंपराओं पर गर्व करो – यूके के लीसेस्टर में ग्रेजुएशन समारोह के दौरान एक स्टूडेंट ने अपने टीचर के पैर छुए और 'जय सिया राम' का नारा लगाया।' वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट किया, 'अपनी जड़ों से कभी मत शरमाओ!' दूसरे ने कहा, 'ये देखकर बहुत अच्छा लगा कि आज की पीढ़ी भी अपनी संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करती है।' चूंकि हॉल में बैठे कई लोगों को इस भारतीय परंपरा के बारे में जानकारी नहीं थी तो वह यह देखकर काफी हैरान रह गए। लेकिन कुछ देर बाद हॉल में तालियां बजने लगी।

पेरिस के पास चामंत में फ्रांसीसी किसान अपने ट्रैक्टरों से राजमार्ग को अवरुद्ध करते हुए। यह किसान मूल्य दबाव, करों और हरित विनियमन का विरोध रहे थे।

मुइज्जू का चीनी राग...दोनों देश एक-दूसरे का करते हैं सम्मान

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीन के साथ अपने देश के रणनीतिक संबंधों की सराहना कर कहा कि दोनों देश एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और बीजिंग हिंद महासागर द्वीप की संप्रभुता का पूरा समर्थन करता है। चीन की हाई-प्रोफाइल राजकीय यात्रा के बाद मालदीव लौटे मुइज्जू ने कहा कि चीन ने 1972 में राजनयिक संबंध स्थापित करने के बाद से मालदीव के विकास में सहायता प्रदान की है। चीन समर्थक नेता माने जाने वाले मुइज्जू ने अपनी हाल ही में संपन्न चीन यात्रा के दौरान

मालदीव को बीजिंग के करीब लाने की कोशिश की और दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया। उन्होंने कहा कि चीन की बेल्ट एंड रोड पहल द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले गई है। चीन ऐसा देश नहीं है जो मालदीव के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करेगा, यही कारण है कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मालदीव और चीन एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और चीन मालदीव की संप्रभुता का पूरा समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि उनके चीनी समकक्ष राष्ट्रपति शी जिनपिंग नागरिकों के हित को पहले रखते हैं और उनके नेतृत्व में चीन की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि चीनी सरकार मालदीव को उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगी।

फिर पिटने के मूड़ में नजर आ रहा है पाकिस्तान, लगातार भारत को उकसाने पर तुले हैं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने के बाद से अनवारुल हक काकड़ लगातार भारत के विरोध में बयान दे रहे हैं। कभी वह भारत को पाखंडी देश बताते हैं तो कभी भारत को उकसाने के लिए चीन की सीपीईसी परियोजना को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। अब तो उन्होंने गीदड़ भभकी देते हुए कह दिया है कि ईरान की ओर से किये गये मिसाइल हमले के जवाब में जो पलटवार किया गया है उसमें भारत के लिए भी संदेश छिपा है। देखा जाये तो अनवारुल हक काकड़ की वैसे तो कोई ज्यादा बड़ी राजनीतिक हैसियत नहीं है लेकिन जबसे वह पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने हैं तबसे उन्होंने अपना राजनीतिक वजूद कायम करने के लिए भारत के विरोध में लगातार बोलना जारी रखा है। वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि सुर्खियों में बने रहें और अपने भारत विरोधी रुख के चलते पाकिस्तानी सेना का समर्थन हासिल कर सकें। अनवारुल हक काकड़ यह सब करके पाकिस्तान में कोई राजनीतिक मुकाम हासिल कर पाएंगे या नहीं यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन एक बात जो साफ तौर पर नजर आ रही है वह यह है कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अपने ही देश में हंसी के पात्र जरूर बनते जा रहे हैं। विदेशी चंदे, चीन की ओर से मिल रहे कर्ज और कुछ मुस्लिम देशों की ओर से फेंके गये मदद के टुकड़ों की बदौलत चल रहे पाकिस्तान ने दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के बारे में जो कुछ कहा है उस पर दिल्ली ने तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है मगर आम पाकिस्तानी ही काकड़ को आईना दिखाने में लग गये हैं। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर लोग तमाम तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार को कोस रहे हैं। हम आपको बता दें कि काकड़ ने अपनी गीदड़ भभकी में कहा है कि

ईरान को जिस तरह से जवाब दिया गया उससे भारत को भी साफ और स्पष्ट संदेश गया है। काकड़ ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा है कि ईरान की ओर से जिस तरह से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के उल्लंघन किया गया, उसके बाद पाकिस्तानी सेना के पास ईरान को जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया में एक मजबूत जवाब दिया और ये निश्चित रूप से भारत और पूरे क्षेत्र के लिए एक संदेश है। अब काकड़ के इस बयान के बाद आम पाकिस्तानी अपनी ही सरकार को कोस रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत को उकसाना गलत है क्योंकि यदि उसने फिर से घुसकर मारा तो बड़ी फजीहत हो जायेगी। आम पाकिस्तानी कह रहे हैं कि जब भारत घुस कर मारता है तो हमारी सरकार कोई हमला होने से ही इंकार कर देती है मगर अब कह रही है कि भारत को संदेश चला गया है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल पीओके के दौरे के दौरान भी काकड़ ने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। काकड़ ने मुजफ्फराबाद में पीओके की विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश नहीं बल्कि सबसे बड़े पाखंडी देश के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसके अलावा, जहां तक चीन की सीपीईसी यानि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना की बात है तो उस पर भी आगे बढ़ने की बात कह कर काकड़ ने भारत को उकसाने का काम किया है। हम आपको बता दें कि भारत शुरू से ही इस परियोजना का विरोधी रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक काकड़ ने इस्लामाबाद में कहा है कि सीपीईसी के पहले चरण को हासिल करने के बाद, पाकिस्तान अपनी प्रारंभिक परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहा है और अगले चरण को लागू करने के लिए चीन के संपर्क में है। हम आपको बता दें कि सीपीईसी का उद्देश्य पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ना है। भारत इस परियोजना पर आपत्ति जताता रहा है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरती है। हम आपको यह भी बता दें कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री के अलावा पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भी भारत के खिलाफ अपने मन की नफरत का एक बार फिर प्रकटीकरण किया है। दरअसल ईरान पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि देश की पीठ में छुरा घोंपने वालों को करारा जवाब मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कह डाला कि किसी को भी पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही मुनीर ने भारत के साथ किसी भी प्रकार की सुलह से इंकार करते हुए कहा है कि भारत ने पाकिस्तान के दृष्टिकोण को नहीं माना है, तो हम उसके साथ कैसे सुलह कर सकते हैं? बताया जा रहा है कि नई दिल्ली इन बयानों पर गौर कर रही है और समुचित जवाब दिया जायेगा।

फिलिस्तीनियों को लगा बड़ा झटका कोर्ट ने युद्ध रोकने से किया इनकार

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीज लंबे समय से युद्ध चल रहा है। जिसको लेकर शांति के प्रयास किए जा रहे है। लेकिन सफलता नहीं मिल रही है

गाजा में इजरायल के हमले को लेकर इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने फैसला सुनाते हुए नरसंहार को रोकने का आदेश दिया है। दक्षिण अफ्रीका की याचिका पर कोर्ट ने यह आदेश दिया है। हालांकि इसे दक्षिण अफ्रीका के लिए भी झटका माना जा रहा है। आईसीजे ने सीजफायर को लेकर कोई भी आदेश नहीं दिया है जबकि दक्षिण अफ्रीका ने युद्धविराम की ही मांग की थी। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इस मामले में सहमति नहीं जताई। यह बात फिलिस्तीनियों को भी निराश करने वाली है। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका ने गाजा पट्टी में नरसंहार को लेकर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का रुख किया था। इसके बाद उसे कोलंबिया और ब्राजील का भी साथ मिला था। इस याचिका में कहा गया था कि इजरायल जिनेवा कन्वेंशन के तहत अपने कर्तव्यों का उल्लंघन कर रहा है। वह जो कर रहा है वह जिनेवा कन्वेंशन के तहत गलत है। इसके बाद कोलंबिया के विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि दक्षिण अफ्रीका का मुकदमा एक साहसी कदम है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासिलो लूला दा सिल्वा ने भी कहा कि इजरायल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

आईसीजे ने इजरायल से कहा कि वह गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों का नरसंहार बंद कर दे और अब तक हमले में हुई मौतों का पूरा ब्यौरा दे। कोर्ट ने कहा कि इजरायल इस बात को सुनिश्चित करे कि उसकी सेना गाजा में नरसंहार ना करे और मानवीय स्थिति को देखते हुए सुधारवादी तरीके अपनाए। आईसीजे ने इजरायल से एक महीने के अंदर ही रिपोर्ट सौंपने को कहा है। आईसीजे में 17 जज इस मामले की सुनवाई कर रहे थे। इनमें से ज्यादातर ने कहा कि इरजाल को ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे कि फिलिस्तीनी लोगों को शारीरिक और मानसिक नुकसान ना हो। हालांकि बता दें कि यह आईसीजे का अंतिम फैसला नहीं है। वहीं बात करें आईसीजे के आदेशों को लागू करने की तो ऐसा कोई सिस्टम नहीं है जो कि इसे लागू करवा सके। ऐसे में कई बार अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का फैसला केवल कागजों पर ही रह जाता है। बता दें कि गाजा में करीब 100 दिनों से अधिक समय से जंग जारी है। अब तक 26 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 60 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें 9000 से ज्यादा बच्चे और 6500 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। हमास के 7 अक्टूबर के हमलों के बाद गाजा में इजराइल हमले जारी हैं। हमास के 7 अक्टूबर के हमले में इजराइल में करीब 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

चीन / ताइवान: सैन्य दबाव बनाने का प्रयास, 24 घंटे में भेजे 33 लड़ाकू विमान और युद्धपोत

बीजिंग (एजेंसी)। द्वीप के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि चीन ने ताइवान की ओर 30 से अधिक युद्धक विमान और नौसेना जहाजों का एक समूह भेजा है। सैन्य दबाव उस घोषणा के बाद आया है जिसमें वरिष्ठ अमेरिकी और चीनी प्रतिनिधियों के थाई राजधानी में मिलने की उम्मीद थी क्योंकि दोनों देश तनाव को कम करना चाहते हैं। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने शुक्रवार सुबह 6 बजे से शनिवार सुबह 6 बजे के बीच ताइवान के आसपास एसयू-30 लड़ाकू विमानों और छह नौसेना जहाजों सहित 33 विमान भेजे। इनमें से 13 युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया। एक अनौपचारिक सीमा जिसे द्वीप और मुख्य भूमि के बीच एक बफर माना जाता है। ताइवान ने स्थिति पर नजर रखी है और गतिविधियों के जवाब में अपनी सेना को तैनात किया है। चीन स्व-शासित ताइवान को अपना क्षेत्र होने का दावा करता है और हाल के वर्षों में सैन्य विमान और जहाज भेजकर ताइवान में राजनीतिक गतिविधियों पर नाराजगी जताई है। ताइवान ने कहा कि स्व-शासित द्वीप द्वारा लाई चिंग-ते को नया राष्ट्रपति चुने जाने के कुछ दिनों बाद छह चीनी गुब्बारे या तो द्वीप के ऊपर से या उसके ठीक उत्तर में हवाई क्षेत्र से होकर उड़े। लाई की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने बड़े पैमाने पर आत्मनिर्णय, सामाजिक न्याय और चीन की धमकियों को अस्वीकार करने पर अभियान चलाया। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और चीनी विदेश मंत्री वांग यी दोनों बातचीत के लिए बैंकॉक में थे, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि बैठक कब होगी या पहले ही हो चुकी है।

ट्रंप गुस्से में भरी अदालत से बाहर चले गए, इधर कोर्ट ने ठोक दिया 7 अरब का जुर्माना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार अपने गुस्से के कारण अपना ही नुकसान कर लेते हैं। कुछ इसी तरह का गुस्सा न्यूयॉर्क सिटी जूरी में उन्होंने दिखा दिया और भरी अदालत से उठकर बाहर चले गए। इस पर अदालत ने बिना देरी के लगभग 7 अरब का रुपए का जुर्माना ट्रंप पर ठोक दिया।

ट्रंप को जुर्माने के तौर पर लेखिका ई जीन कैरोल को 83.3 मिलियन डॉलर (करीब 7 अरब रुपये) देने होंगे। पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ मानहानि के मुकदमे में न्यूयॉर्क सिटी जूरी ने यह फैसला सुनाया। बता दें कि कैरोल ने एले पत्रिका के लिए एक लंबे समय तक कॉलम लिखा। उन्होंने 2019 में छपी किताब में पहली बार आरोप लगाया था कि ट्रंप ने 1995 के अंत में या 1996 की शुरुआत में उनका बलात्कार किया था। यह घटना मैनहट्टन के एक लक्जरी डिपार्टमेंटल स्टोर के ड्रेसिंग रूम में हुई थी। ट्रंप ने इन आरोपों के जवाब में कहा था कि ऐसा कभी नहीं हो सकता था क्योंकि कैरोल मेरे टाइप की नहीं हैं। इसके बाद कैरोल ने ट्रंप के खिलाफ मानहानि का

मामला भी दायर किया था। इससे पहले कानून के तहत कैरोल को घटना को हुए कई वर्ष बीत जाने के कारण ट्रंप के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दायर करने से रोक दिया गया था।

जूरी ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप को कैरोल को उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के बदले यह रकम देनी होगी। इससे पहले ट्रंप अंतिम बहस के दौरान उस वक्त अदालत कक्ष से उठकर बाहर चले गए, जब लेखिका कैरोल के वकील ने निर्णायक मंडल से उनकी मुवक्किल को कम से कम 1.2 करोड़ डॉलर का हर्जाना दिलाए जाने की अपील की। कैरोल के वकील ने कहा कि ट्रंप ने अपने सार्वजनिक बयानों के माध्यम से उन्हें झूठा करार दिया। कैरोल के प्रति नफरत पैदा की, जिससे उनके सम्मान को हानि पहुंची है। मैनहटन संघीय अदालत में वकील रोबर्टा कपलान ने अपनी अंतिम दलीलें शुरू कीं। इसके कुछ ही मिनटों बाद ट्रंप अचानक बचाव पक्ष की तरफ की अपनी सीट से उठे और बाहर की ओर जाने लगे। वह खचाखच भरे अदालत कक्ष को देखने के लिए एक पल रुके और इसी दौरान खुफिया विभाग के सदस्य उनके पीछे की ओर जाने लगे। पूर्व राष्ट्रपति के अचानक चले जाने से जस्टिस लुईस ए कपलान को जिरह के बीच दखल देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड में दिखाया जाएगा कि ट्रंप उठे और अदालत से बाहर चले गए। ट्रंप के बाहर जाने से कुछ ही वक्त पहले जूरी की अनुपस्थिति में न्यायाधीश ने ट्रंप की अधिवक्ता अलीना हब्बा को चेताया था। उन्होंने कहा कि दलीलें पूरी करने के बावजूद बार-बार टोकने पर वह उन्हें जेल भेज देंगी। जस्टिस ने हब्बा से कहा कि आप जेल में कुछ समय बिताने के कगार पर हैं। अब बैठ जाइए।

पाकिस्तान में चुनाव: जेल से तीन महिलाएं, शरीफ परिवार के लिए खड़ी करेंगी बड़ी चुनौती

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव है। नेशनल असेंबली के इस चुनाव में 175 पार्टियां चुनावी मैदान में उतरी हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवार भी अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कुछ वैसे भी उम्मीदवार हैं, जो जेल से चुनाव लड़ रहे हैं। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की तीन महिलाएं जेल से चुनाव लड़ रही हैं। ये तीनों शरीफ परिवार के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरी हैं।

इमरान की पार्टी की नेता डॉ यास्मीन रशीद लाहौर नेशनल असेंबली-130 निर्वाचन क्षेत्र से नवाज शरीफ के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरी हैं। दोनों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है. यह निर्वाचन क्षेत्र 1990 से पीएमएल-एन का गढ़ रहा है, जब नवाज शरीफ ने पहली बार सीट जीती थी। शरीफ ने 1993, 1997 और 2013 में यह सीट बरकरार रखी, जबकि उनकी पार्टी के उम्मीदवारों ने 2002 और 2008 में इस सीट पर जीत हासिल की। डॉ. यास्मीन रशीद 2013 से 2023 तक इस सीट से तीन बार दावेदार रहीं, हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पीएमएल-एन नेता हमजा शहबाज को नेशनल असेंबली-118 में सबसे मजबूत उम्मीदवार माना जाता है। मगर इस बार पीटीआई की आलिया हमजा मलिक से कड़ी टक्कर की उम्मीद है। हालांकि, 2018 के आम चुनावों में यह सीट पीएमएल-एन के खाते में गई थी। हमजा शहबाज ने पीटीआई के नौमान कैसर और टीएलपी की सुमैरा नौरीन के खिलाफ इस सीट को आसानी से जीत लिया था. बता दें कि आलिया 2018 में पंजाब से महिलाओं के लिए आरक्षित सीट पर पीटीआई के उम्मीदवार के रूप में पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के लिए चुनी गई थीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हें संघीय संसदीय सचिव भी नियुक्त किया था। जेल में बंद पीटीआई की महिला कार्यकर्ता सनम जावेद नेशनल असेंबली-119 से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की चीफ मरियम नवाज के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। दोनों के बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद है। बता दें कि 9 मई की घटनाओं को लेकर सनम जावेद सहित पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की लगभग एक दर्जन से अधिक महिलाएं पिछले पांच महीने से अलग-अलग जेलों में बंद हैं।

दीवार तोड़कर घर में घुसा हाथी...दो महिलाओं को कुचला

भुवनेश्वर ।ओडिशा के भुवनेश्वर के लाईमुरा वन खंड के सिकुरसिंघा गांव में एक हाथी ने दो महिलाओं को कुचल दिया।मृतकों की पहचान सुरुबाली और खैरी के रूप में की गई है।जानकारी के मुताबिक महिलाएं रात को अपने घर में सो रही थीं।तभी खाने की तलाश में एक हाथी घर की दीवार तोड़कर घर में घुस गया। हाथी को देखकर महिलाओं ने वहां से भागने की कोशिश की।लेकिन हाथी ने उनका पीछा कर उन्हें कुचलकर मार डाला।इसके पहले पिछले साल दिसंबर में बरगढ़ जिले में अलग-अलग घटनाओं में दो जंगली हाथियों ने दो युवकों को कुचलकर मार डाला था।उसी महीने खोरधा के टांगी ब्लॉक के जरीतापुर में जंगली हाथी ने दो अन्य युवकों को भी मारा था।

सरकारी डॉक्टरों ने रचा दिया इतिहास, ल्यूटेम्बेचर सिंड्रोम से पीड़ित महिला का किया उपचार

अमृतसर। सरकारी मेडिकल कालेज के डॉक्टरों ने इतिहास बना दिया है। दरअसल, ल्यूटेम्बेचर सिंड्रोम से ग्रस्त विश्व की 24वीं मरीज रिपोर्ट हुई है।पंजाब में पहली बार महिला मरीज का सफल ऑपरेशन हुआ।विश्व भर में अब तक इस बीमारी से ग्रस्त केवल 23 मरीज रिपोर्ट हुए हैं, 24वीं मरीज अमृतसर से संबंधित है और अमृतसर में उस महिला को उपचार मिला है।खास बात यह है कि यह रोग महिलाओं को ही होता है।बता दें कि, महिला का उपचार आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत नि:शुल्क हुआ है। मेडिकल कॉलेज स्थित हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर डा. परमिंदर सिंह मंगेड़ा व उनकी टीम ने तीन घंटे की सर्जरी के बाद महिला की जान बचाई। डा. सिंह के अनुसार ल्यूटेम्बेचर सिंड्रोम का शिकार करोड़ों में एक महिला होती है।डॉ. मंगेड़ा ने इस बीमारी पर शोध कर रहे देश विदेश के डाक्टरों के शोध पत्र पढ़े थे। इन शोध पत्रों एवं अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने अपनी टीम के साथ महिला का आपरेशन शुरू किया। आपरेशन में परकोटेनियस तकनीक का प्रयोग किया गया। पैर के रास्ते से एंजियोग्राफी की गई।इसके बाद डॉक्टर हृदय की माइट्रल वाल्व तक पहुंचे।इस बैलून से खोलकर हृदय का छेद डिवाइस से बंद किया गया।आपरेशन की प्रक्रिया तीन घंटे तक चली।

पीएम किसान की जारी होने वाली हैं किस्त, जल्द कराएं ई-केवॉयसी

नई दिल्ली। पीएम किसान की अगली किस्त फरवरी और मार्च 2024 के बीच जारी होगी।ई-केवाईसी पूरा नहीं होने पर लाभार्थी किसानों को किस्त से वंचित रहना पड़ सकता हैं।पीएम किसान की 15वीं किस्त 15 नवंबर 2023 को जारी की गई थी। पीएम किसान वेबसाइट के अनुसार, ई-केवॉयसी पीएम किसान पंजीकृत किसानों के लिए अनिवार्य है। ई-केवाईसी करने के लिए सबसे पहले आपको पीएम किसान सम्मान निधि योजना के आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। इस वेबसाइट के होम पेज पर आपको फार्मर कॉर्नर का एक ऑप्शन दिखेगा और उसमें आपको ई केवाईसी का एक ऑप्शन मिलेगा जिस पर आपको क्लिक करना है। जैसे ही आप ई-केवाईसी के ऑप्शन पर क्लिक करते हैं, आपके सामने एक ओटीपी बेस्ड बॉक्स खुल जाएगा। वहां पर आपसे आपका आधार नंबर मांगा जाएगा आपको अपना आधार नंबर दर्ज कर देना है।इसके बाद आपसे आपका मोबाइल नंबर मांगा जाएगा। आप वहीं मोबाइल नंबर दे जो मोबाइल नंबर आपके आधार से लिंक है।इसके बाद आपको नीचे गेट ओटीपी के ऑप्शन पर क्लिक करना है।इसके बाद आपके उस नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाएगा।वह ओटीपी आपको इस वेबसाइट के बॉक्स में डाल देना है और फिर नीचे सबमिट के ऑप्शन पर क्लिक करना है।

रेलवे ने दी बड़ी सौगात.... इस रुट में फर्राटा भरेगी नई वंदे भारत एक्सप्रेस

नई दिल्ली।भारतीय रेलवे ने देश भर के यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी दी है।अब नए रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन फर्राटा भरने वाली है। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) दुनिया में सबसे बड़ी रेलवे पैसेंजर कोच मेकर है। रिपोर्ट के मुताबिक, आला अधिकारी ने बताया कि आईसीएफजल्द ही जम्मू-कश्मीर के लिए वंदे भारत ट्रेन रैंक शुरू करेगा।गणतंत्र दिवस के मौके पर जनरल मैनेजर बी.जी. माल्या ने कर्मचारियों को संबोधित किया।उन्होंने कहा, आईसीएफके पास फिलहाल 2 बड़े प्रोजेक्ट हैं।पहला वंदे भारत मेट्रो प्रोजेक्ट है, जो कि पूरी तरह से वातनुकूलित इंटर-सिटी ट्रेन सर्विस होगी। आईसीएफइस साल मार्च तक वंदे मेट्रो का पहले प्रोटोटाइप तैयार करने का प्लान बना रहा है। माल्या ने इस वंदे भारत प्रोजेक्ट को लेकर और अधिक जानकारी दी।उन्होंने कहा, अगला प्रोजेक्ट जम्मू और कश्मीर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस रेक मुहैया कराना है।यह ऐसा होगा जिसे बदलती जलवायु परिस्थितियों के हिसाब से ठीक किया जा सके।हमें ऐसी उम्मीद है कि यह रेक जल्द ही तैयार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सही है कि सप्लाई के मोर्चे पर हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।इसके बाद भी पिछले साल आईसीएफने 50वीं वंदे भारत रेक तैयार की जो एक बड़ी उपलब्धि है।माल्या ने कहा कि अमृत भारत पुश-पुल ट्रेन पिछले साल अक्टूबर में सीएलडब्ल्यू (चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स) के सहयोग से शुरू की गई। जो आम लोगों के लिए यात्रा के लिहाज से वरदान से कम नहीं है।यह ट्रेन यात्रियों को तुलनात्मक रूप से कहीं बेहतर सुविधा मुहैया कराती है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते महीने 2 अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई थी।

युवा शक्ति में लड़कियां महत्वपूर्ण हिस्सा : धनखड़

नई दिल्ली।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि देश में लड़कियां युवा शक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और भ्रष्टाचार की निरंकुशता का स्थान लोकतंत्र के योग्यतातंत्र ने ले लिया है।उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों के साथ बातचीत कर कहा कि जीवन का हर क्षेत्र लड़कियों की प्रतिबद्धता और भागीदारी से युक्त है। लड़कियाँ हमारी युवा शक्ति का महत्वपूर्ण घटक हैं। धनखड़ ने गणतंत्र दिवस परेड में लड़कियों और महिला प्रतिभागियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भ्रष्टाचार और बिचौलियों को खत्म किया गया है।और युवाओं के पास अपनी क्षमता का उपयोग करने के अपार मौके हैं। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार की निरंकुशता को लोकतंत्र के योग्यतातंत्र में बदल दिया गया है। श्री धनखड़ ने उपस्थित युवाओं से नवोन्वेषी बनने और अनुसंधान और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करने का आव्हान किया।

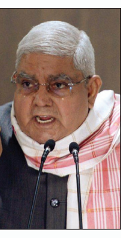

रामलला के दर्शन करने उमड़ रहा जनसैलाब...श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने लिया यहां फैसला

अयोध्या।अयोध्या में भगवान रामलला के दर्शन करने रामभक्तों का बड़ी संख्या में आना जारी है।श्रीरामजन्मभूमि स्थित रामलला के भव्य, दिव्य और नव्य मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा ही हुआ है साथ ही हनुमानगढ़ी मंदिर में भी भक्तों का उमड़ना जारी है।इसके अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भीषण ठंड के बीच सरयू नदी में भी स्नान और पूजन के लिए पहुँच रहे हैं। वहीं लता मंगेशकर चौक पर रामभक्तों का हुजूम सेल्फी लेने के लिए भी खूब उमड़ रहा है।बताया जा रहा है कि गणतंत्र दिवस पर 3.25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में दर्शन किए। अधिकारियों के मुताबिक पहले दिन लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए थे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखकर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने आरती और दर्शन की समय सूची जारी की है। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा के अनुसार रामलला की मंगला आरती साढ़े चार बजे, श्रृंगार आरती सुबह साढ़े छह बजे होगी।उन्होंने बताया कि इसके बाद श्रद्धालु सात बजे से दर्शन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि इसके बाद भोग आरती दोपहर बारह बजे, संध्या आरती शाम साढ़े सात बजे तथा रात्रि नौ बजे भोग आरती और शयन आरती रात दस बजे होगी।शर्मा ने बताया कि सुबह मंगला आरती के दौरान मंदिर के कपाट आम दर्शनार्थियों के लिए बंद करने वाले हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने राज्य के प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद और पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार अयोध्या पहुंचे थे।

केजरीवाल बोले-भाजपा की दिल्ली सरकार गिराने की साजिश

-7 विधायकों को 25 करोड़ ऑफर किए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर दिल्ली की आप सरकार को गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा के एक नेता ने पिछले दिनों दिल्ली के 7 विधायकों को संपर्क कर कहा है कि कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद विधायकों को तोड़ेंगे।

केजरीवाल के मुताबिक, भाजपा ने 7 आप विधायकों को कहा है कि 21 विधायकों से बात हो गई है। बाकी विधायकों से भी बात कर रहे हैं। उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपए देंगे और भाजपा की टिकट से चुनाव लड़वा देंगे। केजरीवाल ने ये भी कहा कि भाजपा का दावा है कि उन्होंने हमारे 21 विधायकों से बात की है, लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 7 विधायकों से बात की है और सभी 7 विधायकों ने भाजपा का ऑफर ठुकरा दिया। केजरीवाल ने दावा किया है कि भाजपा नेता की इस बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया गया है।

हमारी सरकार गिराने के लिए 9 साल में इन्होंने कई षड्यंत्र किए

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा किसी शराब घोटाले की जांच के लिए मुझे गिरफ्तार नहीं करना चाहती, बल्कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिराने के लिए षड्यंत्र कर रही है। पिछले 9 साल में हमारी सरकार गिराने के लिए इन्होंने कई षड्यंत्र किए, लेकिन इन्हें कोई सफलता नहीं मिली। भगवान और जनता ने हमेशा हमारा साथ दिया। हमारे सभी विधायक भी मजबूती से साथ हैं। इस बार भी ये लोग अपने नापाक इरादों में फेल होंगे। केजरीवाल ने कहा कि ये लोग जानते हैं कि दिल्ली की जनता के लिए हमारी सरकार ने कितने काम किए हैं। इनकी पैदा की गईं तमाम अड़चन के बावजूद हमने इतने काम किए हैं। दिल्ली की जनता आप से बेइंतहा प्यार करती है। चुनावों में आप को हराना इनके बस की बात नहीं तो एक फर्जी शराब घोटाले के बहाने गिरफ्तार करके सरकार गिराना चाहते हैं।

बिहार में सियासी संकट के बीच लालू परिवार को कोर्ट का बुलावा, 9 फरवरी को हाजिर हो

पटना।बिहार में सियासी उथल पुथल का दौर है।इस बीच लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान के मामला में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती है।ईडी की चार्जशीट पर दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने संज्ञान लेकर बतौर आरोपी राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, हृदयानंद चौधरी और अन्य को समन जारी किया है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सभी आरोपियों को 9 फरवरी को पेश होने का आदेश दिया है।बता दें कि मामले में ईडी ने 4751 पेज की चार्जशीट दाखिल की है। लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी की ये पहली चार्जशीट है।इस मामले में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कुल सात को आरोपी बनाया है।सात आरोपियों में राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, हृदयानंद चौधरी, अमित कात्याल और दो कंपनियों एके इंफोसिस्टम और एबी एक्सपोर्ट को आरोपी बनाया है। बता दें कि सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि आरोपी अमित कात्याल ने वर्ष 2006-07 में एके इंफोसिस्टम नामक कंपनी का गठन किया था।कंपनी आइटी से जुड़ी हुई थी।ईडी ने बताया था कि कंपनी ने वास्तविक रूप से कोई व्यापार नहीं किया, बल्कि कई भूखंड खरीदे।इसमें से एक भूखंड नौकरी के बदले जमीन घोटाले से हासिल किया गया। इसी कंपनी को 2014 में राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के नाम पर एक लाख रूपये में ट्रांसफर कर दिया गया था।वहीं, एबी एक्सपोर्ट कंपनी 1996 में एक्सपोर्ट का व्यापार करने के लिए गठित की गई थी।वर्ष 2007 में एबी एक्सपोर्ट कंपनी को पांच कंपनियों के पांच करोड़ रुपये मिले और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक संपत्ति खरीदी गई।

मल्लिकार्जुन खरगे की बेबसी, पता कि नीतीश के मन में क्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मचे राजनीतिक घमासान के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा बयान सामने आया है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी बिहार राजनीतिक संकट के बीच इंडिया गठबंधन में मतभेदों को दूर करने की पूरी कोशिश कर रही है। बेंगलुरु में उन्होंने कहा कि उन्हें जनता दल (यूनाइटेड) के गठबंधन छोड़ने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। खरगे ने कहा कि उन्होंने नीतीश को पत्र लिखाकर नीतिश से बात करने की कोशिश भी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस प्रमुख ने कहा, लेकिन मुझे नहीं पता कि नीतीश के मन में क्या है। कल मैं दिल्ली जाऊंगा और पूरी जानकारी लूंगा। देखते हैं क्या होता है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन में सभी को एकजुट करने की पूरी कोशिश कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचुरी से भी बात की है।

खरगे ने कहा, मैंने उनसे (ममता बनर्जी और सीताराम येचुरी से) कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है, तभी हम (आगामी लोकसभा चुनाव में) अच्छी लड़ाई दे सकते हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी यह चाहता है कि इंडिया गठबंधन अच्छा काम करे और लोकतंत्र बचाया जाए, तब वह जल्दबाजी में फैसला नहीं करेगा। 2024 के आम चुनाव में विपक्ष के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर घमासान मचा है।

रिपोर्टों में दावा किया गया है कि बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं और कई कांग्रेस विधायक उनके साथ जाएंगे। हालांकि नीतीश ने राजनीतिक उथल-पुथल पर अब तक चुप्पी साध रखी है। ऐसी अफवाहें जोर पकड़ रही हैं कि कुमार इस्तीफा दे सकते हैं और भाजपा के समर्थन से नई सरकार का गठन कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म

-सीएम शिंदे की मौजूदगी में मनोज जरांगे ने अनशन तोड़ा; सरकार ने सभी मांगें मानी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलनकारियों की सभी मांगें मान ली हैं। सीएम एकनाथ शिंदे शनिवार को मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से मिलने नवी मुंबई पहुंचे। सीएम ने जरांगे को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया और अध्यादेश की कॉपी सौंपी।

मनोज जरांगे ने शुक्रवार देर रात कहा था कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अच्छा काम किया है। हमारी अपील मान ली गई है। हमारा विरोध अब खत्म हुआ। इससे पहले शुक्रवार को जरांगे ने शिंदे सरकार को शनिवार सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर 11 बजे तक आरक्षण का अध्यादेश जारी नहीं किया गया, तो वे 12 बजे मुंबई के आजाद मैदान पहुंचकर आंदोलन करेंगे। इसके बाद शिंदे सरकार ने देर रात अध्यादेश का ड्राफ्ट जरांगे के पास भेजा। इसमें जरांगे की मांगों का जिक्र था।

सीएम शिंदे और जरांगे के बीच फोन पर हुई थी बातचीत

मनोज ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 20 जनवरी को जालना से मुंबई तक के लिए पदयात्रा शुरू की थी। 26 जनवरी को जरांगे और लाखों की संख्या में उनके समर्थक नवी मुंबई के वाशी पहुंचे। जरांगे ने मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल करने की चेतावनी दी थी। इस बीच महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों की टीम रात करीब 10 बजे वाशी पहुंची और जरांगे से मुलाकात की। उन्होंने सीएम एकनाथ शिंदे से जरांगे की फोन पर बातचीत कराई। इसके बाद जरांगे ने कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें कुछ जरूरी दस्तावेज सौंपे हैं। जरांगे ने बताया कि वे शनिवार को वाशी के शिवाजी चौक में सभा करेंगे। यहीं पर सीएम शिंदे उनकी भूख हड़ताल खत्म कराएंगे। जरांगे राज्य के मराठाओं को कुनबी समाज में तत्काल शामिल कराने मांग कर रहे थे। इससे पूरी कम्युनिटी ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की श्रेणी में आ जाएगी और आरक्षण का लाभ ले सकेगी।

पंजाब में भुल्लर की रिहाई को लेकर आप पर हमलावार अकाली दल

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1995 से जेल में बंद खालिस्तानी कार्यकर्ता और टाडा दोषी दविंदर पाल सिंह भुल्लर के भाग्य पर राजनीति नए सिरे से शुरू हुई है। नई दिल्ली तिहाड़ जेल के सजा समीक्षा बोर्ड द्वारा समय से पहले रिहाई की उनकी अपील की नवीनतम अस्वीकृति पर अकाली दल और आम आदमी पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। भुल्लर को 1993 में नई दिल्ली में युवा कांग्रेस कार्यालय के बाहर हुए बम विस्फोट के लिए अगस्त 2001 में मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसका उद्देश्यद स्पष्ट रूप से तत्कालीन युवा कांग्रेस प्रमुख एमएस बिट्टा को निशाना बनाना था। जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 31 घायल हो गए थे। मार्च 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। 2011 में भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने उसकी दया याचिका खारिज कर दी थी। तब से, यह सातवीं बार है जब भुल्लर की समयपूर्व रिहाई की याचिका 2018 में दो बार, 2019 में एक बार और 2020 में तीन बार खारिज होने के बाद खारिज कर दी गई है। 2019 में, केंद्र ने गुरु नानक देव की 550वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान उनकी समयपूर्व रिहाई के लिए सहमति दी थी। लेकिन 2022 में उनकी रिहाई तीन बार टाली गई। अब, इस तिहाड़ बोर्ड ने खारिज कर दिया है, जो उनके मामले में सक्षम प्राधिकारी है। अकाली दल, जिन्होंने सभी राजनीतिक कैदियों (खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ताओं सहित) का मामला उठाया है, केजरीवाल और आप को दोषी ठहरा रहे हैं, क्योंकि तिहाड़ सजा समीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष दिल्ली के जेल मंत्री कैलाश गहलोत हैं। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने लिखा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके कठपुतली (पंजाब के मुख्यमंत्री) भगवंत मान द्वारा मानवता के खिलाफ चौंकाने वाला जघन्य अपराध। प्रोफेसर दविंदरपाल सिंह भुल्लर की समयपूर्व रिहाई की याचिका को खारिज करने के लिए एकजुट होकर, इन दोनों ने सिख संगत के घावों पर नमक छिड़का है। उन्होंने कहा, प्रोफेसर भुल्लर की खराब स्वास्थ्य स्थिति के बावजूद उन्हें करीब 29 साल तक जेल में रखकर उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। वहीं आप मुख्य प्रवक्ता मालविंदर सिंह कांग ने अकाली दल पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है, उन्होंने बताया कि सजा समीक्षा बोर्ड में सात सदस्य शामिल हैं, और गहलोत के अलावा, अन्य छह भाजपा से हैं, जो एक पुरानी अकाली सहयोगी है। कांग ने दावा किया कि केवल गहलोत ने भुल्लर की रिहाई का समर्थन किया था

भारत की प्रति व्यक्ति आय बांग्लादेश और श्रीलंका से कम

- भारत में अमीर और अमीर, गरीब और गरीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की प्रति व्यक्ति आय बांग्लादेश और श्रीलंका से भी कम है। हाल ही में प्रति व्यक्ति आय के बारे में जो सूची जारी हुई है। उसमें भारत 129 वें स्थान पर है। 190 देश में प्रति व्यक्ति आय की जो सूची जारी हुई है। उसमें टॉप 10 देश में एशिया के चार और यूरोप के पांच देश शामिल हैं।

भारत अभी दुनिया की पांचवी (जीडीपी) के अनुसार अर्थव्यवस्था है। 2027 में इसे तीसरी अर्थ व्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। 2027 तक ऐसा माना जा रहा है, कि जापान से बड़ी अर्थव्यवस्था भारत की हो जाएगी। पहले नंबर पर अमेरिका होगा, दूसरे नंबर पर चीन और तीसरे नंबर पर भारत होगा। इसके बाद भी हम प्रति व्यक्ति आय के मामले में बांग्लादेश और श्रीलंका से भी पिछड़े हुए हैं। यह चिंता का विषय है।

भारत में प्रति व्यक्ति आय 2673 डॉलर प्रति व्यक्ति है। भारतीय रुपए में यह प्रति व्यक्ति आय 225000 प्रतिवर्ष होती है। प्रति व्यक्ति आय के मुकाबले में सबसे ज्यादा आय लक्जमबर्ग की है। इसमें प्रति व्यक्ति आय 1,43000 डालर है। आयरलैंड की आय 1 लाख 37000 डालर है, सिंगापुर की प्रति व्यक्ति आय 143000 डालर है। कतर की प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति आय 114000 डालर है। मकाउ की 88000 डालर प्रति वर्ष है। स्विटजरलैंड की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 89000 डालर है। यूएई की आय 88000 डालर प्रति व्यक्ति है। सेन मेरिनो की वार्षिक आय 84000 डालर प्रतिवर्ष की है। नार्वे की प्रतिवर्ष आय 82 हजार डॉलर प्रतिवर्ष तथा उस अमेरिका की प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति आय 80 हजार डॉलर है।

प्रति व्यक्ति आय मे दुनिया भर के जो 190 देश के आंकड़े जारी किए गए हैं। उसमें भारत का 129 वां नंबर है। भारत के ऊपर बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देश हैं। भारत में जीडीपी के अनुसार जरूर पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन प्रति व्यक्ति आय में बहुत तेजी के साथ पिछड़ गया है। भारत में प्रति व्यक्ति आय के मामले में अमीरों की कमाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। वहीं गरीबों की आई प्रति व्यक्ति कम होती जा रही है। भारत में गरीबी बढ़ती जा रही है। यह चिंता का विषय है। पर कैपिटा इनकम में हम बांग्लादेश और श्रीलंका के नीचे जा चुके हैं।

नाराज ओवैसी ने किसे बताया हिंदू धर्म का गुलाम

हैदराबाद ।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से जारी उस रिपोर्ट की आलोचना की है, जिसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जिस क्षेत्र में ज्ञानवापी मस्जिद स्थित है, वहां पहले एक विशाल हिंदू मंदिर था।ज्ञानवापी मामले में हिंदुओं की ओर से पैरवी कर रहे वकील विष्णु शंकर जैन के एएसआई की रिपोर्ट को लेकर कही बातों को ओवैसी ने खारिज कर दिया।ओवैसी ने स्टडी करने वाले एएसआई को हिंदुत्व का गुलाम बताया। ओवैसी ने कहा कि ज्ञानवापी परिसर पर एएसआई की ओर से जारी की गई रिपोर्ट किसी भी पेशेवर पुरातत्वविद् या इतिहासकार की अकादमिक जांच पर खरी नहीं उतरती है। उन्होंने गुस्सा जताया कि यह रिपोर्ट अटकलों के आधार पर तैयार की गई है।इसमें वैज्ञानिक अध्ययनों का मजाक उड़ाया गया है।ओवैसी ने सनसनीखेज आरोप लगाए गए कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग हिंदू धर्म का गुलाम बन गया है।

आम चुनाव को लेकर फ्रंट फुट पर भाजपा, 23 राज्यों के लिए चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारियों का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव को देखकर 23 राज्यों के चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारियों की सूची जारी की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने विनोद तावड़े और सांसद दीपक प्रकाश को बिहार की जिम्मेदारी दी है। वहीं, वैजयंत पांडा को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। दुष्यंत गौतम को उत्तराखंड की जिम्मेदारी मिली है। यह सूची भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह के द्वारा जारी की गई है।

भाजपा ने प्रभारियों की जो नई लिस्ट जारी की है, उसके मुताबिक सबसे अधिक 3 नेताओं को बंगाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बंगाल में मंगल पांडे, अमित मालवीय और आशा लकड़ा को प्रभारी और सह प्रभारी बनाया गया है। वहीं, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में सिर्फ एक प्रभारी की नियुक्ति की गई है।

भाजपा द्वारा घोषित प्रभारियों की लिस्ट- अंडमान और निकोबार की जिम्मेदारी वाई सत्या कुमार को, अरुणाचल प्रदेश की अशोक सिंघल को, बिहार की विनोद तावड़े और दीपक प्रकाश को, चंडीगढ़ की विजयभाई रूपाणी, दमन एवं दीव की पुरनेश मोदी और दुष्यंत पटेल, गोवा की आशीष सूद को, हरियाणा की बिप्लब कुमार देव और सुरेन्द्र नागर को, हिमाचल प्रदेश की श्रीकांत शर्मा और संजय टंडन को, जम्मू-कश्मीर की तरुण चुघ को, झारखंड- की लक्ष्मीकांत बाजपेयी, कर्नाटक की राधामोहन दास अग्रवाल और सुधाकर रेड्डी को, केरल की प्रकाश जावड़ेकर को, लद्दाख की अरविंद मेनन को, मध्य प्रदेश की महेन्द्र सिंह और सीतश उपाध्याय को, ओडिशा की विजयपाल सिंह तोमर और लता उसेंडी को, पुदुचेरी की निर्मल कुमार सुराणा को, पंजाब की विजयभाई रूपामई और नरिंदर सिंह को, सिक्किम की दिलीप जायसवाल को, तमिलनाडु की अरविंद मेनन और सुधाकर रेड्डी को, उत्तर प्रदेश की बैजयंत पांडा को, उत्तराखंड की दुष्यंत कुमार गौतम को और पश्चिम बंगाल की मंगल पांडे, अमित मालवीय और आशा लकड़ा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई